आचार्य पंथ श्री गृन्ध मुनिनाम साहेब

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कवर्धा

जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

Email: govtpgcollege.kawardha@gmail.com, Website : www.pgcollegekawardha.edu.in

NAACReaccredited by GRADE "B"

कृति

2024-25

आचार्य पंथ श्री गृन्ध मुनिनाम साहेब

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कवर्धा

जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

प्राचार्य एवं संरक्षक

डॉ.ऋचा मिश्रा

संपादक

प्रो. नरेन्द्र कुमार कुलमित्र

कृति में प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति आवश्यक नहीं है। रचनाकार के स्वयं के विचार हैं, संस्था उत्तरदायी नहीं है।

संपादक मण्डल

अनुक्रमणिका

1. छत्तीसगढ़ी भाषा 1
2. पढ़ाई कभी बेकार नहीं जाती 2
3. मेरी कल्पना या मेरा भ्रम 3
4. हृदय स्पर्शी कविता 4
5. घनिष्ठ मित्रता 5
6. नारी : एक प्यारी सी रचना 6
7. अन्नदाता की कहानी 7
8. महिना 8
9. जीवन दर्शन 9
10. छत्तीसगढ़ी कविता 10
11. मेरे माँ-बाप 11
12. कुछ करना है, तो डटकर चल 12
13. राजनीति पर मेरे विचार 13
14. एन.एस.एस. परिवार 14
15. माँ-बाप 16
16. जो सरहद पर सीना तान खड़े 17
17. एन.एस.एस. शिविर 18
18. मेरे प्यारे पापा 19
19. युवा शक्ति 20
20. गाँव की यादें 21
21. गुरू की महिमा 22
22. मेरा मित्र 22
23. प्रतिवेदन हिन्दी विभाग सत्र 2024-25 23
24. तम्बाकू नियंत्रण समिति 25
25. काउंसलिंग सेल 25
26. राष्ट्रीय सेवा योजना 26
27. सात दिवसीय विशेष शिविर (प्रमुख बिन्दु) 27
28. क्रीड़ाविभाग 32
29. संपादित कार्यक्रमों के समाचार पत्रों की प्रतियाँ 35
30. झलकियाँ (तस्वीरें में) 40
31. महाविद्यालयीन स्टॉफ की सूची 52
32. अतिथि व्याख्याताओं की सूची 54
33. जनभागीदारी स्टॉफ 54

विजय शर्मा
उप मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ शासन
गृह एवं जेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास
तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार, विज्ञान और
प्रौद्योगिकी विभाग

क्रमांक

दिनांक .....

// संदेश //

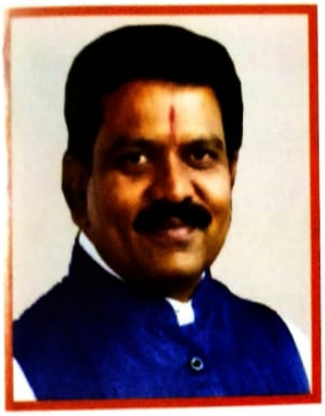

मुझे जानकर बड़ी प्रसन्नता हुई कि आचार्य पंथ श्री गृंध मुनि नाम साहेब शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कवर्धा द्वारा वार्षिक पत्रिका " **कृति** " का प्रकाशन किया जा रहा है।

मुझे उम्मीद है कि यह पत्रिका महाविद्यालयीन गतिविधियों के साथ ही छात्र-छात्राओं में छिपी प्रतिभा को निखारने में सहायक सिद्ध होगी तथा अपने नाम को सार्थक करेगी।

पत्रिका " **कृति** " के प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

आपका

विजय शर्मा
उप मुख्यमंत्री

कार्यालय : कक्ष क्रमांक एम 4-1, महानदी भवन, मंत्रालय, अटल नगर, नवा रायपुर (छ.ग.) दूरभाष नं. 0771-2510904, 2221104
निवास - सी.-3 सिविल लाईन, रायपुर (छ.ग.) दूरभाष नं. 0771-2445561, 91092-55611

अरूण साव
उप मुख्यमंत्री
ARUN SAO
Deputy Chief Minister

छत्तीसगढ़ शासन
लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी
विधि और विधायी कार्य, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग
Government of Chhattisgarh
Public Works Department, Public Health Engineering
Law & Legislative Affairs Department
Urban Administration & Development Department

क्रमांक ....336..../उप मुख्यमंत्री/2025 रायपुर, दिनांक : ..19../.01../2025

–: शुभकामना संदेश :–

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई है कि, आचार्य पंथ श्री गृंध मुनि नाम साहेब शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कवर्धा, जिला–कबीरधाम (छ.ग.) द्वारा वार्षिक पत्रिका "**कृति**" (सत्र 2024–25) का प्रकाशन किया जा रहा है।

मुझे आशा ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्वास है कि, इस ख्यातिनाम संस्थान के द्वारा प्रकाशित वार्षिक पत्रिका "**कृति**" एक सार्थक व रचनात्मक अभीष्ट को प्राप्त करेगा।

"**कृति**" पत्रिका प्रकाशन के लिए मेरी ओर से हार्दिक बधाई एवं असीम शुभकामनाएँ....

(अरूण साव)

प्रति,

प्राचार्य,
आचार्य पंथ श्री गृंध मुनि नाम साहेब
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
कवर्धा, जिला–कबीरधाम (छ.ग.)

कार्यालय : एम–4/9, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.) * निवास : डी/8, सिविल लाईन, रायपुर (छ.ग.)
Office : M-4/9, Mantralaya, Mahanadi Bhawan, Nava Raipur Atal Nagar (C.G.) * Niwas : D/8, Civil Line, Raipur (C.G.)
Ph. (Mantralaya) / दुरभाष (मंत्रालय) : 0771–2510319, 2221318 * Ph. (Niwas) / दुरभाष (निवास) : 0771–2331012, 2331013

प्रसन्ना आर
भा.प्र.से.
सचिव

छत्तीसगढ़ शासन
उच्च शिक्षा विभाग
एस–1/4, महानदी भवन, मंत्रालय,
नवा रायपुर अटल नगर, छत्तीसगढ़–492002
दूरभाष : 0771–2221322, फैक्स : 2510244
ई–मेल : secy.he.cg@gmail.com

अर्द्धशासकीय पत्र क्रमांक 17
दिनांक 16/01/2025

:: शुभकामना संदेश ::

प्रिय,

अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि आचार्य पंथ श्री गृंध मुनि नाम साहेब शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कवर्धा, जिला–कबीरधाम (छ.ग.) द्वारा महाविद्यालयीन वार्षिक पत्रिका **"कृति" 2025** का प्रकाशन किया जा रहा है।

छात्र–छात्राओं में अभिव्यक्ति का कौशल विकसित करने के लिए ऐसी पत्रिकाएं महत्वपूर्ण होती है। इस पत्रिका में रचनाशील प्राध्यापकों तथा छात्र–छात्राओं की मौलिक रचनाएं प्राथमिकता से प्रकाशित की जानी चाहिए। पत्रिका के माध्यम से महाविद्यालय की गतिविधियों एवं विशेषताओं की जानकारी भी लोगों तक पहुंचती है।

मैं इस अवसर पर अपनी शुभकामनायें प्रेषित करता हूँ कि सभी छात्र–छात्राएं अपने अध्ययन अवधि का उपयोग ज्ञान अर्जन के लिये करेंगे तथा उत्तरोत्तर विकास पथ पर बढ़ते रहेंगे।

(प्रसन्ना आर.)

प्रति,

प्राचार्य,
आचार्य पंथ श्री गृंध मुनि नाम साहेब शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कवर्धा, जिला–कबीरधाम (छ.ग.)

प्राचार्य की कलम से .....

आचार्य पंथ श्री गृधमुनि नाम साहेब शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कवर्धा की स्थापना 10 अगस्त 1983 को शासकीय महाविद्यालय कवर्धा के रूप में की गई थी। वर्ष 2009 में महाविद्यालय को वर्तमान नाम प्रदान किया गया। कबीर पंथ वंशाचार्य की आध्यात्मिक परंपरा से अनुप्राणित यह महाविद्यालय निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर है तथा गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सुदृढ़ पहचान स्थापित कर चुका है।

महाविद्यालय में कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं कम्प्यूटर साइंस संकायों में स्नातक स्तर की शिक्षा उपलब्ध है तथा 14 विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किए जा रहे हैं। कम्प्यूटर शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु स्ववित्तीय योजना के अंतर्गत डी.सी.ए. एवं पी.जी.डी.सी.ए. पाठ्यक्रम संचालित हैं, वहीं शासन द्वारा स्वीकृत बी.सी.ए. (कम्प्यूटर साइंस) पाठ्यक्रम के माध्यम से इस अंचल के विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा का लाभ प्राप्त हो रहा है।

शैक्षणिक सत्र 2024-25 में महाविद्यालय में अध्ययनरत कुल छात्र-छात्राओं की संख्या 4188 है, जिसमें 2019 छात्र तथा 2169 छात्राएँ सम्मिलित हैं। यह तथ्य महाविद्यालय में शिक्षा के प्रति बढ़ते विश्वास एवं छात्राओं की सक्रिय सहभागिता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग एवं विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार विविध सहशैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों का आयोजन नियमित रूप से किया जाता है। प्रतिवर्ष वार्षिक स्नेह सम्मेलन, खेलकूद प्रतियोगिताएँ तथा छात्रसंघ निर्वाचन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जो विद्यार्थियों के नेतृत्व, अनुशासन एवं व्यक्तित्व विकास में सहायक सिद्ध होते हैं। भौतिक सुविधाओं के अंतर्गत सुसज्जित अटल बिहारी वाजपेयी प्रेक्षागृह, अतिथि गृह एवं व्यायामशाला उपलब्ध हैं।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की महिला एवं पुरुष इकाइयाँ सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। इनके माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य जागरूकता, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, रक्तदान, नशामुक्ति तथा अन्य समाजोपयोगी गतिविधियाँ संचालित की जाती हैं। प्रतिवर्ष सात दिवसीय विशेष शिविर के माध्यम से ग्रामों में सेवा कार्य किए जाते हैं, जिससे विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित होती है।

इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में एन.सी.सी. की पुरुष एवं महिला इकाइयाँ भी संचालित हैं, जिनके माध्यम से छात्र-छात्राओं में अनुशासन, नेतृत्व, देशभक्ति एवं राष्ट्रसेवा की भावना का विकास होता है तथा वे पुलिस एवं सैन्य सेवाओं के लिए प्रेरित होते हैं।

महाविद्यालय में आधुनिक सुविधाओं से युक्त विधायुक्त पुस्तकालय उपलब्ध है, जिससे विद्यार्थी एवं शोधार्थी निरंतर लाभान्वित हो रहे हैं। शैक्षणिक विजन एवं मिशन के अनुरूप सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप यह महाविद्यालय आज जिले के अग्रणी शासकीय महाविद्यालयों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है।

संपादकीय...

शिक्षा, संस्कार और संकल्प का जीवंत केंद्र

कबीर की वाणी में शिक्षा केवल ज्ञानार्जन नहीं, बल्कि मनुष्य को मनुष्य बनाने की प्रक्रिया है। इसी विचार-परंपरा को साकार रूप देता हुआ आचार्य पंथ श्री गृधमुनि नाम साहेब शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कवर्धा आज न केवल एक शिक्षण संस्थान है, बल्कि इस अंचल की बौद्धिक, सांस्कृतिक और नैतिक चेतना का सशक्त केंद्र बन चुका है।

10 अगस्त 1983 को शासकीय महाविद्यालय कवर्धा के रूप में आरंभ हुई यह संस्था, वर्ष 2009 में अपने वर्तमान नाम के साथ कबीर पंथ की आध्यात्मिक परंपरा से अनुप्राणित होकर एक नई पहचान प्राप्त करती है। यह पहचान केवल नाम की नहीं, बल्कि दृष्टि की है—ऐसी दृष्टि, जो शिक्षा को रोजगार तक सीमित नहीं करती, बल्कि उसे जीवन-मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्रनिर्माण से जोड़ती है।

कला, विज्ञान, वाणिज्य और कम्प्यूटर साइंस जैसे विविध संकायों में स्नातक तथा 14 विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का सफल संचालन यह प्रमाणित करता है कि महाविद्यालय समय की मांग के अनुरूप निरंतर स्वयं को अद्यतन कर रहा है। डी.सी.ए., पी.जी.डी.सी.ए. और बी.सी.ए. जैसे तकनीकी पाठ्यक्रमों के माध्यम से यह संस्था ग्रामीण और अर्धशहरी विद्यार्थियों के लिए डिजिटल भविष्य के द्वार खोल रही है—यह अपने आप में सामाजिक न्याय का एक सशक्त उदाहरण है।

शैक्षणिक सत्र 2024-25 में 4188 विद्यार्थियों की उपस्थिति केवल संख्या नहीं है; यह उस विश्वास का प्रतीक है, जो समाज ने इस महाविद्यालय पर किया है। विशेष रूप से छात्राओं की बढ़ती सहभागिता यह संकेत देती है कि शिक्षा यहाँ सशक्तिकरण का माध्यम बन रही है। शिक्षा के साथ-साथ सहशैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियाँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को दिशा देती हैं। वार्षिक स्नेह सम्मेलन, खेलकूद प्रतियोगिताएँ और छात्रसंघ निर्वाचन—ये सभी लोकतांत्रिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता और अनुशासन के जीवंत प्रयोगशाला हैं। अटल बिहारी वाजपेयी प्रेक्षागृह, व्यायामशाला और अन्य भौतिक सुविधाएँ इस विकास को ठोस आधार प्रदान करती हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना और एन.सी.सी. की सक्रिय इकाइयाँ महाविद्यालय को कक्षा की चारदीवारी से बाहर समाज और राष्ट्र से जोड़ती हैं। स्वच्छता, स्वास्थ्य, पर्यावरण, नशामुक्ति और सेवा कार्यों के माध्यम से विद्यार्थी 'डिग्रीधारी' ही नहीं, बल्कि 'जिम्मेदार नागरिक' बनते हैं। सात दिवसीय विशेष शिविरों में गाँवों के साथ स्थापित संवाद, शिक्षा के मानवीय पक्ष को उजागर करता है। आधुनिक सुविधाओं से युक्त विधायुक्त पुस्तकालय इस बात का साक्ष्य है कि ज्ञान यहाँ स्थिर नहीं, बल्कि सतत प्रवाह में है। यही कारण है कि स्पष्ट विजन और मिशन के साथ यह महाविद्यालय आज जिले के अग्रणी शासकीय महाविद्यालयों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर चुका है।

कृति पत्रिका के माध्यम से हम यह विश्वास व्यक्त करते हैं कि आचार्य पंथ श्री गृधमुनि नाम साहेब शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कवर्धा आने वाले समय में भी शिक्षा, संस्कार और संकल्प के समन्वय से नई पीढ़ी को दिशा देता रहेगा—और कबीर की मानवीय चेतना को आधुनिक संदर्भों में जीवित रखेगा।

नरेन्द्र कुमार कुलमित्र

संपादक, कृति पत्रिका

छत्तीसगढ़ी भाषा

छत्तीसगढ़ी भाषा, हमारी पहचान,
जिसमें बसी है, हमारी जान ।
गांव-गांव में, खुशियाँ बिखेरे,
बातों के सुर में, प्यार ही प्यार मिले।।

बचपन से सीखी, दुनिया में छाई,
छत्तीसगढ़ी भाषा, दिलों में समाई।
हमारी संस्कृति, हमारा गौरव है,
इस भाषा में बसी, अपनी पहचान है।

जब तक है जिन्दगी, रखेंगें इसका मान,
छत्तीसगढ़ भाषा, हमेशा रहे हमारी जान।।

भारती बघेल
एम.ए.हिन्दी
चतुर्थ सेमेस्टर

पढ़ाई कभी बेकार नहीं जाती

''ज्ञान का कोई अंत नहीं, हर सीखा हुआ पाठ एक दिन काम आता है''

जीवन में प्राप्त की गई शिक्षा कभी बेकार नहीं जाती। पढ़ाई चाहे किसी भी रूप में हो, वह इंसान के जीवन को बेहतर बनाने में सहायक होती है। कोई भी ज्ञान छोटा या बड़ा नहीं होता, और वह व्यक्ति के भीतर विचारशीलता, समझदारी और जीवन की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता पैदा करता है। पढ़ाई का असर सिर्फ परीक्षा में अच्छे अंक पाने तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह जीवन को सही दिशा दिखाने वाला मार्गदर्शक होती है।

- ❖शिक्षा का महत्व जीवनभर रहता है।
- ❖किसी भी रूप में प्राप्त किया गया ज्ञान उपयोगी होता है।
- ❖पढ़ाई सोचने-समझने की क्षमता को बढ़ाती है।
- ❖शिक्षा चुनौतियों का सामना करने में मदद करती है।
- ❖पढ़ाई का लक्ष्य केवल अंक प्राप्ति नहीं, बल्कि जीवन सुधारना है।

तुकेश चन्द्रवशी
एम.एस-सी. बॉटनी
चतुर्थ सेमेस्टर

मेरी कल्पना या मेरा भ्रम

कौन हो तुम?
मुझे नहीं पता कौन हो तुम? देखा हूँ तुम्हें जब से
तुम्हें बार-बार देखने का मन करता है।
कौन हो तुम?

मेरी कल्पना या मेरा भ्रम हो तुम?
लेकिन जो भी हो तुम, कुदरत का एक नायाब तोहफा हो तुम।।
कौन हो तुम?
बारिशों के मौसमों की हरियाली हो तुम या प्रकृति की एक
परम सुन्दरी हो तुम, कौन हो तुम?
तितलियों के मन को, मंत्रमुग्ध करने वाली फूलों की क्या तुम ही हो रानी।
आखिर कौन हो तुम?

बादलों के संग, मंद-मंद बहने वाली क्या ठंडी हवा हो तुम, कौन हो तुम?
लेखकों को कवियों की क्या? तुम ही शब्दविचार हो, कौन हो तुम?

या किसी कवि की कविता का रचना संसार हो तुम, कौन हो तुम?
लो तुम ही बताओ कौन हो तुम?

नन्हें-नन्हें बच्चों की क्या? लबों पर आई मुस्कान हो तुम, कौन हो तुम?
या काले कोयल के मीठे बोल हो तुम, कौन हो तुम? सच में कौन हो तुम?

मेरे शब्द या मेरे ख्याल हो तुम, तुम ही बताओ? कौन हो तुम?
ईश्वर की दुआ हो तुम या सात सुरों के संगीत हो तुम कौन हो तुम?
मेरे ख्यालों में मेरे विचारों में बस तुम ही तुम,

कौन हो तुम..... कौन हो तुम..... कौन हो तुम.....।।

डोमन सिंग धुर्वे
एम.ए.हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर)

हृदय स्पर्शी कविता

जब तक चलेगी जिन्दगी की सांसें, कहीं प्यार कहीं टकराव मिलेगा।
कहीं बनेंगे संबंध अंतर्मन से तो, कहीं आत्मीयता का अभाव मिलेगा।।

कहीं मिलेगी जिन्दगी में प्रशंसा तो, कहीं नाराजगियों का बहाव मिलेगा।
कहीं मिलेगें सच्चे मन से दुआ तो, कहीं भावनाओं में दुर्भाव मिलेगा।।

कहीं बनेंगें पराए रिश्ते भी अपने तो, कहीं अपने से ही खिंचाव मिलेगा।
कहीं होंगी खुशामदें चेहरे पर तो, कहीं पीठ-पीछे बुराई का घाव मिलेगा।।

कहीं मिलेगी खुशियों की बौछार तो, कहीं गमों का पड़ाव मिलेगा।
कहीं मिलेगी विफलताएं हजार तो, कहीं संघर्षों में सफलता अपार मिलेगा।।

कहीं जिन्दगी से जंग तो, कहीं ढेर सारी उमंग मिलेगा।
कहीं जिन्दगी में सीख, तो, कहीं जिन्दगी जीने का ढंग मिलेगा।।

कहीं जिन्दगी से ईर्ष्या तो, कहीं किसी से लगाव मिलेगा।
कहीं दूसरों से अपनापन तो, कहीं अपनों से ही अलगाव मिलेगा।।

कहीं जिन्दगी में ताल से ठहराव तो, कहीं नदी की तरह बहाव मिलेगा।
कहीं रवि सी तपति धूप तो, कहीं वृक्षों सी शीतल छांव मिलेगा।।

तू चलाचल राही अपनी कर्मपथ पे, जैसा तेरा भाव, वैसा प्रभाव मिलेगा।
रख स्वभाव में शुद्धता का स्पर्श तो, अवश्य जिन्दगी का पड़ाव मिलेगा।।

पवन कुमार सिन्हा
एम.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर (रसायन शास्त्र)

घनिष्ठ मित्रता

किसी की आस है, सदाचारी की विश्वास है।
जीवन की सभी आनंदों की रास है दोस्ती।।

पथ में उमंगों की पहचान
महफिल की शान
बीते पलों की यादगार किस्सा
जीवन का मुख्य हिस्सा है दोस्ती।।

सभी रिश्तों में सबसे खास
प्रेरणाओं की अटूट विश्वास
आदर्शों की मिशाल
ऐसी जीवन उपयोगी सारथी
प्यारी गहरी अभिमान है दोस्ती।।

होठों पर मुस्कुराती शान,
अपनेपर की पहचान
जिन्दगी के आनंदों की अभिमान है दोस्ती।।

जातिप्रथा, भेदभाव ना माने,
ऊंच नीच की रीति ना जाने,
प्रेम भावना और त्याग का
जीवन में संपन्न प्रमाण है दोस्ती।।

अच्छे स्वभाव की पहचान
नई आशा उमंगों में सर्वोपरि अभिमान
निःस्वार्थता का अनमोल प्रमाण है दोस्ती।।

पवन कुमार जंघेल
एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर "हिन्दी"

नारी : एक प्यारी सी रचना

माँ, बहन, पत्नी
बेटी नारी तेरे कितने रूप।
वरदान है इंसान के लिए,
तेरे सारे, सारे स्वरूप।।

माँ बनके जन्म दिया,
दुनियाँ का हर कष्ट सहा,
बहन के रूप में दोस्त बनके,
जाने कितने नखरे उठाये।।

पत्नी बनके ईश्वर बना दिया,
अपनों से बढ़के प्यार किया,
बनके बेटी जो जन्म लिया,
हर सुख दुःख में साथ दिया।।

रमणी, कामनी, कान्ता, वनिता
जाने कितने नाम हैं तेरे,
स्त्री, अबला, औरत, सुन्दरी, नारी
जाने क्या-क्या संसार पुकारे।।

तुझ ही से सृष्टि, तुझ ही से विनाश,
तू ही न जाने, कितनी शक्तियां तेरे पास ।।

दुनियाँ में सबसे शोषित, दलित और उपेक्षित,
फिर भी तू चाहे सबका हित।।

रितेश धुर्वे
एम.ए. प्रथम सेमेस्टर "हिन्दी"

अन्नदाता की कहानी

किसान को अन्नदाता कहते हैं। वह अपने खेतों में कठोर परिश्रम करता है।
वह खेत को जोतता-बोता है। उसकी सिंचाई करता है। फसल की रखवाली करता है।
फसल के पकने पर उसकी कटाई और बालियों के अन्न के दाने निकालती है।
बैल तथा अन्य पशु खेती के कार्य में उसके सहायक हैं।
उनके पालन-पोषण तथा देखभाल का उत्तरदायित्व भी किसान ही उठाता है।
सबेरे होते ही वह हल बैल लेकर खेत की ओर चल देता है।
धीरे-धीरे सूरज ऊपर चढ़ने लगता है परन्तु किसान का काम बंद नहीं होता।
दोपहर को खेत में ही किसी वृक्ष के तले कुछ देर आराम करने के बाद वह शाम तक अपने काम में लगा रहता है। अंधेरा होने पर वह घर लौटता है, किसान त्यागपूर्ण जीवन जीता है।

वह दूसरों के हितों की रक्षा के लिए अपना सुख-दुख त्याग देता है।
वह स्वयं भूखा रहकर दूसरों का पेट भरता है।
वह अपने पशुओं की देखभाल करने में अपने रात-दिन के आराम की भी चिन्ता नहीं करता।
किसान अन्नदाता ही नहीं बल्कि वह भगवान भी है, जीवन देता है।
खेतों पर अपना खून-पसीना एक कर हमें अन्न देता है।
किसन की वजह से ही हमें दो वक्त की रोटी मिलती है और हम उन्हें ही भूल जाते हैं अगर किसान नहीं रहा तो हमारा जीवन भी समाप्त हो जाएगा।।

हरिनारायण वर्मा
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर

तुम

ये जमीं भी तुम, ये आसमान भी तुम।
मेरे चेहरे की प्यारी मुस्कान भी तुम।।
मेरा दोस्त भी तुम, मेरा प्यार भी तुम।
मेरी किस्मत की लकीरें भी तुम।।

मेरी हिम्मत भी तुम, मेरी किस्मत भी तुम।
जीवन में धूप भी तुम और छांव भी तुम।।
मेरी हार भी तुम, मेरी जीत भी तुम।
सच कहूँ तो मेरी जिन्दगी हो सिफ तुम।।

महिना

जनवरी, फरवरी, मार्च, महिना
अप्रेल, मई में बहा पसीना।
जून-जुलाई, मुश्किल है जीना,
अगस्त-सितम्बर भीगे मीना।
अक्टूबर में कीड़े आते।
लेकर कंबल और रजाई
दिसम्बर में ठंडी आई।।

वेद प्रकाश निषाद
बी.ए. द्वितीय वर्ष

जीवन दर्शन

सबके जीवन में रहता है गम, कुछ में ज्यादा कुछ में कम,
सताये दुख किसी को धन का, किसी को सताये दुख तन का !!

हाथ में देख फूल, मन खुश हो जाता है,
पर वही हाथ में पत्थर देख दिल सहम जाता है।।
किस पर वफा करें हम, सब खुदगर्ज नजर आता है,
यहाँ सब कोई खैरियत नहीं, मर्ज नजर आता है।।

किस पर करें यकीन यहाँ पर, युधिष्ठिर दिखाई नहीं देता।
हर मोड़ पर, हर राह पर, धृतराष्ट्र दिखाई देता है।।
संजय तो अब नहीं यहाँ, जो सत्य का बखान करे।
पग-पग पर शकुनी खड़ा, पूरा अपना अरमान करें।।

जीत होगी अंत में, जहाँ होंगें केशव,
पर युद्ध मैदान में, पड़े रहेंगें अनगिनत शव।।
विश्वास किस पर करें, अब समझ नहीं आता है।
देखे जिस ओर इस कलयुग में। छद्मवेशधारी मारीच नजर आता है।।

हमने विश्वास किया तो वे विश्वासघाती हो गये, अब मानव, मानव नहीं दुराचारी होने लगे।
दिखावे की इस दुनिया में, अब कोई नहीं अपना है, भाई चारा स्थापित हो अब यही एक सपना है।।
अब पेड़ की शाखायें ही, अपने जड़ को काटने लगे।
अब देख मन कचोटता है, संतान माँ को धित्कारने लगे।।

दुख तो है मन में अपार, बयाँ कर पाना मुश्किल है।
बयाँ कर दुख को क्या फायदा, जब हमदर्द मिलना मुश्किल है।।

सुख में मिलते हैं साथी हजारो, दुख में नहीं कोई साथ है।
दिल में दुख का सागर मगर, चेहरे पर झूठी मुस्कान है।।

वक्त बुरा आता है, तब दुख साथ लाता है।
सच्चे अपनों की पहचान, हमें दुख ही कराता है।।

कु. प्रिया श्रीवास्तव एम.ए. हिन्दी

छत्तीसगढ़ी कविता

मोर छत्तीसगढ़ के माटी

बड़े बड़े नदिया नरवा हे, बड़े-बड़े के, घाटी ।
मैं बंदौ भुईयया गा, मोर छत्तीसगढ़ के माटी।।

(1) नई मागय अनधन संगी, नई मागय सोना चांदी,
मेहनत के भूखे है भुईयया, मोर छत्तीसगढ़ माटी।
बड़े-बड़े देवी-देवता भईन्न है, इही छत्तीसगढ़ माटी,
मैं बंदौ भुईयया गा, मोर छत्तीसगढ़ के माटी।।

(2) धान कटोरा कहिथे संगी, छत्तीसगढ़ सोनहा माटी,
महानदी अउ अरपापैरी, बोहाये हे एखरी छाती।
बड़े-बड़े कारखाना खुले है, भिलाई नगर लोहाटी,
मैं बंदौ भुईयया गा, मोर छत्तीसगढ़ के माटी।।

(3) हरियर हरेली तिजा पोरा, रैहा के ठेठरी-खुरमी,
सुवा करमा ददरिया जस फाग, ईहा के मिठ-मिठ बोली।

कु. मानसी मानिकपुरी
एम.कॉम. द्वितीय सेमेस्टर

मेरे माँ-बाप

माँ जन्नत की कुंजी है, बाप जन्नत की चाबी।
माँ घर की जन्नत है, बाप घर की चराग।।
माँ के बगैर घर में रौनक नहीं होती।
बाप के बगैर घर अंधेरा सा छा जाता है।।
माँ खाना बनाती है, बाप खाना खिलाता है।
माँ आंसू पोछती है, बाप हंसाता है।।
माँ घर की महल है, बाप घर का दरवाजा है।
माँ जन्नत में ले जाती है, बाप दोजख से बचाता है।।
घर से निकलो मां की दुआ साथ रहती है।
बाप साया बनकर चलता है।।

शौकीन कुरैशी
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर हिन्दी

कुछ करना है, तो डटकर चल

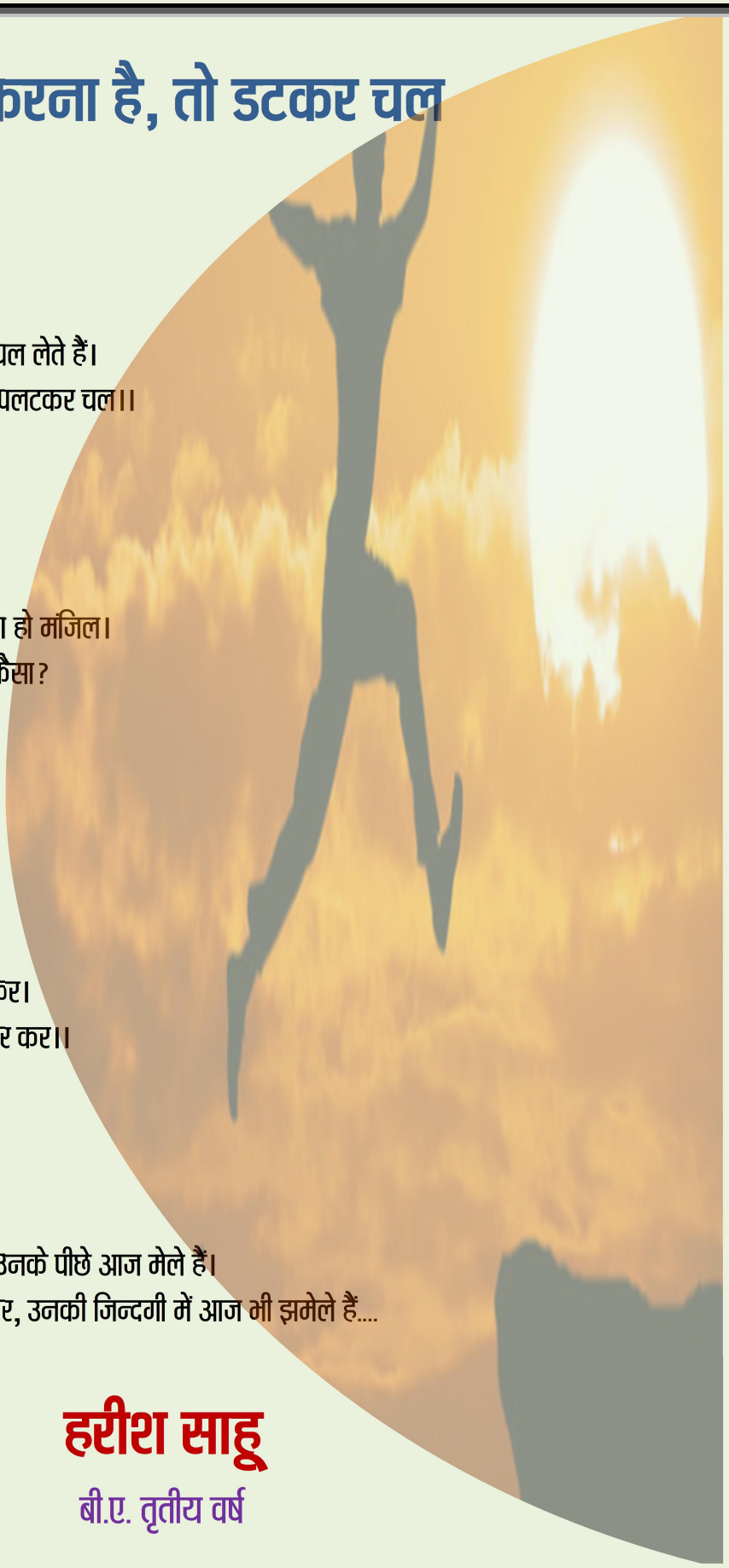

कुछ करना है, तो डटकर चल।
थोड़ा दुनिया से हटकर चल।।

लीक पर तो सभी चल लेते हैं।
कभी इतिहास को पलटकर चल।।

बिना काम के मुकाम कैसा?
बिना मेहनत के दाम कैसा?

जब तक हासिल ना हो मंजिल।
तो राह में आराम कैसा?

अर्जुन सा, निशाना रख।
मन में न कोई बहाना रख।।
लक्ष्य सामने है।
बस उसी में अपना ठिकाना रख।।

सोच मत साकार कर।
अपने कर्मों से प्यार कर।।

मिलेगी तेरी मेहनत का फल।
किसी और का ना इंतजार कर।।

जो चले थे अकेले उनके पीछे आज मेले हैं।
जो करते रहे इंतजार, उनकी जिन्दगी में आज भी झमेले हैं....

हरीश साहू
बी.ए. तृतीय वर्ष

राजनीति पर मेरे विचार

सत्ता की बुनियाद, विचारों का संग्राम,
राजनीति विज्ञान लिखता बदलाव का नाम ।।
जनता के सपनों का जो रखे हिसाब,
हर शासक को देता ईमान का जवाब।।

संविधान के शब्दों में बसती है जान,
हर अनुच्छेद सिखाता इंसान का मान।
नीति और कूटनीति का अद्भुत ज्ञान,
यही तो है राजनीति विज्ञान।।

यह पाठ सिखाता है नेतृत्व का शौर्य,
समाज को जोड़ने का अनमोल गौरव।
शांति के पथ पर चलने का आधार,
भविष्य निर्माण का यह देता आकार।।

चुनाव की रणनीति, सत्ता का खेल,
लेकिन इसमें छिपा है इंसान का मेल।
राजा और रंक के बीच का पुल,
राजनीति विज्ञान से बनता है कुल।।

तो उठो, सोचो और बदलो यह जमाना,
तुम्हारे विचार बनेंगें कल का तराना।
हाथ में है शक्ति, शब्दों में आग,
राजनीति विज्ञान है परिवर्तन का राग।।

धनऊ कुमार धुर्वे
एम.ए. राजनीति विज्ञान तृतीय सेमेस्टर

एन.एस.एस. परिवार

हम सब ने बाँटा एक दूसरे को प्यार,
और क्या कहूँ इस विषय में यह है मेरा एन.एस.एस. परिवार

जब मिले थे हम सभी तो ये एक अजनबी
पर अब ऐसा लगता है, परिवार बन गए हम सभी

एक बार जुड़कर एन.एस.एस. से अलग नहीं जाना चाहोगे
और बार-बार सिर्फ लक्ष्यगीत गाना चाहोगे।।

यह है मेरा एन.एस.एस. परिवार

नफरतों को बांटकर हम नस्लें बोएं प्यार की
कुछ अपनों के विश्वास की कुछ सपनों के संसार की
अपनेपन की बगिया में खुशहालों का द्वार
जीवन भर की पूँजी है, एन.एस.एस. परिवार

यह है मेरा एन.एस.एस.परिवार

पायल चन्द्राकर
बी.ए.द्वितीय वर्ष
राष्ट्रीय स्वयं सेविका

प्रकृति माँ

मौसम ने कहा! मैं बदल जाऊँगी पर तुम मत बदलो ना मेरे लाल, मैं बदलकर पलटकर वापस आऊँगी।
मैं बदल-बदलकर भी नहीं बदलती और एक तू है जो एक बार बदला फिर कभी नहीं बदलता।।
ये कैसा रिश्ता है तेरा मेरा, बेटा मैं कहती हूँ तू मेरा है। तू कहता है माँ मैं तेरा हूँ, पर परमपिता कहते हैं कि न मैं तेरा ना तू मेरा, हमारी आत्मा तो है परमात्मा के घर का बसेरा।।
बदल दिये हैं लोगों ने मुझे चाहने के तरीके, पहले सब दिल से चाहते थे अब दिमाग से चाहने लगे।
मेरी आत्मा के आरोह-अवरोह में एक आवाज सी छनकी है, ना दिल से चाहो मुझे ना दिमाग से,
चाहते हैं कैसे जाओ पूछो भोलेनाथ से।।
मैं क्या करूँ मैं तुझे दोष नहीं देना नहीं चाहती मेरे लाल
पर यकीन मानों सचमुच में कर दिया है तूने मेरा जीवन बेहाल।।
सरगमें सरकती थी मेरी इन्द्रधनुष का रंग बनकर अब न रंग है ना उन रंगों में हम हैं।
सारी सरगमें खो गई मेरी और अब खुशी नहीं सिर्फ गम है गम है और बस गम है।
ना सांसे सरगम रही ना धड़कन मध्यम है,
तू मुझमें तो है समाया पूरी तरह पर तुझमें मेरा होना थोड़ा कम है,
रे इंसान तू क्यों ना समझे, ये मोह माया नहीं सब भरम है।।
अब रूक जाओ, वहीं ठहर जाओ, वर्ना रोक नहीं पाऊँगी अपने आप को,
और मैं ये नहीं चाहती की तुम, तीतर-बीतर कर लो खुद को।।
तू धीरे-धीरे मुझे कालों का कल बनाता जा रहा है,
मैं महाकाल नहीं बनना चाहती पर तू मुझे महाकाल बनाता जा रहा है।।
अरे रूक जा बस यही थम जा, मुझे मत बनाओ कालो का काल
परमात्मा कसम मैं नहीं बनना चाहती महाकाल।
और हाँ मेरी इतनी गहरी ममता मई चेतावनियों के बाद भी अगर जारी रखा यह चाल,
तो मैं ना चाहकर भी बन जाऊँगी सबका काल और फिर कोई नहीं रोक सकता इस पृथ्वी पर आने को भुचाल सिहर
सिहर उठेगी ये धरती अचल हो जाएगी प्रकृति, और सबके निकल जायेंगें खाल, क्योंकि मेरे बेटे तुझमें शक्ति
ही इतनी है कि तू बुला सकता है खुद का और मेरा भी काल।
बस अब तेरी प्रकृति माँ रही है, तुम मानवजाति को अपने गोद में बिठाकर रो रही है।
मैं नही चाहती मैं बनू किसी का काल, मैं नहीं चाहती सच में की मैं बनू महाकाल।।
अब सुन,
अभी तक तो मध्यम चिंगारियों की बारिश हो रही है सूर्य से, पर अगर तुमने मुझे सताना बंद नहीं किया तो होगा शोलों की बरसात,
और अगर तुमने अब भी नहीं रोका इस धरती को दूषित और प्रदूषित करना तो सोच ले कि मुझे मजबूर होकर करना ही पड़ेगा तुम पर आघात ।।
पर्वतों के छूटने लगेंगें पसीने और हिमानी बहेगी होकर मतवार, सूर्य के शैले अंगारे बनकर करेगी इनका बेड़ा पार।
फिर समुद्र गायेगा पहली बार तब तू कुछ ना उखाड़ पायेगा, फिर भी राम, कृष्ण शिव ही गायेगा।।
जब उमड़ेगा समुद्र का हुंकार, कोई कर न सकेगा सोच विचार, फिर विज्ञान देखेगी खोलकर, अपनी आंखे चार और फिर चारो तरफ कुछ ना दिखेगा सिर्फ दिखेगा हाहाकार!
तू कहा छुपेगा मंगल में, अरे पड़ जायेगा वहा दंगल में।
अभी समय है शांत रहो, फिर से खोजो मुझे और मुझमें बहो।।
माँ को खोकर बेटा जब तू, जब घर-घर रोयेगा।
माँ कहेगी तूने खोया मुझे, अब खुद को भी तू खोएगा।।

ममता चन्द्रवंशी
एम.कॉम, तृतीय सेमेस्टर

माँ-बाप

माँ बाप दुनिया की सबसे बड़ी नेमत है, माँ-बाप पर जितना लिखा जाए कम है। माँ-बाप की कमी उन लोगों को सबसे ज्यादा खलती है। जिनके माँ-बाप नहीं होते हैं, हर मजहब में माँ-बाप की अहमियत के बारे में बताया गया है। उनके साथ अच्छा सुलूक करने के लिए बताया गया है, इसी तरह इस्लाम धर्म में भी अपने माँ-बाप के साथ अच्छा सुलूक करने और उनके खिद्मत करने की हिदायत दी गई है।

आप अपनी माँ की मदद् कैसे कर सकते हैं ?

अपनी माँ को खुश करने के लिए अपने काम के बाद सफाई करें। अगर आपने अपनी मेज बिस्तर या कमरे में गंदगी छोड़ी है तो उसक साफ करें। घर के उन कामों में मदद करें जिन्हें आमतौर पर आपनी मां करती है। उदाहरण के लिए टेबल लगाना या कूड़ा बाहर निकालना। आपका स्वर्ग आपकी आपकी मां के पैरों के नीचे है इस्लाम में बताया है माँ-बाप के साथ अच्छा व्यवहार करो चाहे उनमें से एक या दोनों तुम्हारे साथ बुढ़ापे में पहुँच जाए उनसे ''उफ'' न कहो और न ही उन्हें हतोत्साहित करो। लेकिन उनसे एक नेक बात कहा और उन पर दया करके नम्रता के पंख झुकाओ और कहो ''मेरे अल्लाह, उन पर दया करो जैसे उन्होंने मुझे पाला था जब मैं छोटा था''

आज सारी दुनियां में इज्जत है तो मां-बाप की वजह से है। इसलिये मां बाप की इज्जत करना चाहिए और मां बाप की बातें माननी चाहिए। मां जन्नत है तो बाप जन्नत का चाबी है। आज आप लोगों की इज्जत है। तो सारी दुनिया में तो सिर्फ मां बाप की वजह से इस लिये मां अगर घर में नहीं होते तो घर कब्र की तरह लगता है। बच्चों की सबसे बड़ी दौलत मां बाप है। इसलिए मां बाप की इज्जत कदर करनी चाहिए। हर बच्चों को भी दूसरे के मां को अपनी मां-बाप समझना चाहिए। क्योंकि जिसके मां-बाप नहीं है उसको जाओ पूछो कि उसको किस तरह लगता है। इस तरह कॉलेजों में या स्कूलों में जब भी जाते हो तो सर मैडम लोगों को मां-बाप के समान समझना चाहिए। क्योंकि सर मैडम लोग कि मरतजा मां-बाप से ज्यादा है। क्योंकि सर मैडम लोग उस्ताद साहेब होते हैं। अगर सोचो जिस मां के पैर के नीचे जन्नत है। तो मां के सिर का मकान क्या होगा, उसी तरह सर मैडम लोग की भी इज्जत करना चाहिए।

जास्मीन कुरैशी
पी.जी.डी.सी.ए.

जो सरहद पर सीना तान खड़े

जो सरहद पर सीना ताने खड़े हैं।
शौर्य पराक्रम और वीरता से भरे हैं। ।
जो प्राणों की बाजी हाथों में लेकर चलते हैं।
और दुश्मनों के सामने काल बन टूट पड़ते हैं। ।
सदा रहा मनोबल आसमान से ऊँचा जिनका।
जिनका मन केवल भारत भक्ति और भारतीयों सुरक्षा लक्ष्य इनका।।
चाहे बर्फ हो, चट्टानें हो और चाहे हो रेगिस्तान।
कहो किस मोर्चे पर नहीं ध्यान रखा है।
और प्राणों की बाजी लगाकर के।
सबसे पहले हिन्दुस्तान रखा है।
तिरंगा हम सब की आन बान शान है
मगर तिरंगे के लिए हसकर होते कुर्बान हैं।
इन भारतीय वीरों के कर्म इनके शौर्य की गवाही कहते हैं।
सूख जाते है। इनके पराक्रम लिखते-लिखते अब कलम के स्याही कहते हैं।
लाड़ले लाल हैं सच्चे सपूत भारत माता के
ये अनुपम कृति है उस भाग्य विधाता के
ये हैं सरहद पर तो भारत के भाग्य का निर्माण
निर्विघ्न सम्पन्न होता है।
अरे आप ही के भरोसे तो पूरा हिन्दुस्तान चैन से सोता है
आप वीर हो उस महान परम्परा के
जिनके ज्ञान के सूर्य से संसार चमके
जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी के सूक्ति को चरितार्थ करते हैं।
और अपना लहूँ बहाकर देश के हित परमार्थ करते हैं।

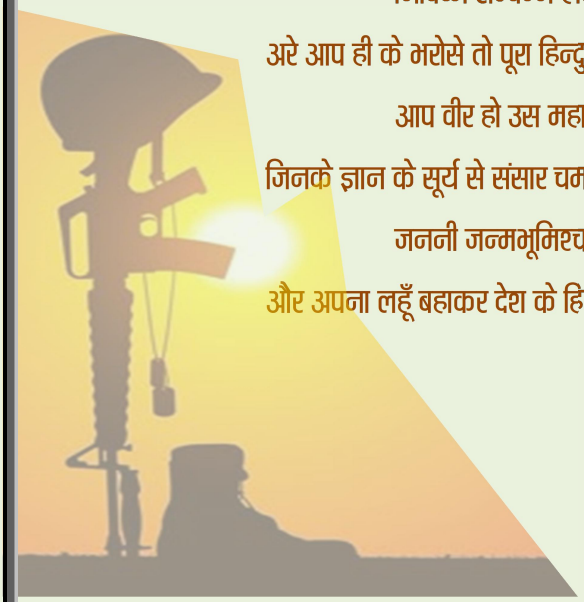

आशीष श्रीवास्तव
एम.ए. हिन्दी द्वितीय सेमेस्टर

एन.एस.एस. शिविर

जीवन शैली के परिवर्तन का नाम है एन.एस.एस.
व्यक्तित्व विकास का नाम है एन.एस.एस.।।
साझा करूँ कुछ अपनी ही जुबानी,
याद आती है वो उन दिनों की कहानी।।
जहाँ जमाने से जीतना है,
सूर्य को हराना है।।

प्रभात फेरी ''उठ जाग मुसाफिर''
शहर को जगाना है।
नाश्ते में पूरियों के लिए लड़ाई।।
और पानी वाली चाय की बुराई।
ये तो रोज का काम है,
फिर भी साथ में मिलकर रहना,
ये एन.एस.एस. की देन है।

परेड का हो मैदान या हो श्रमदान।
पसीना तो दोनों में बहाना है।।
रातों की वो अधूरी नींद बौद्धिक सत्र में ही पूरी होनी है।
परिवार से दूर रह कर भी परिवार की कमी कहां महसूस होती है।।
सांस्कृतिक कार्यक्रम के रंगमंच पर होते हैं अनेकों परिधान,
यही तो है एकता का प्रतीक-हमारा देश भारत महान।।

जय हिन्द..... जय भारत .....

माधुरी कुम्भकार
बी.ए.द्वितीय वर्ष
राष्ट्रीय स्वयं सेविका

मेरे प्यारे पापा

मैंने उनका हाथ थामना चाहा
चलते-चलते फिर देखा।
पहले से ही मेरे पापा ने
मेरा हाथ थाम रखा था।।

परिस्थितियों से लड़ते रहते हैं
पर कभी बताते नहीं।
दर्द तो पिता को भी होता है
पर कभी जताते नहीं।।

जिससे सब कुछ पाया है
जिसने सब कुछ सिखलाया है।
कोटि जो नमन ऐसे पापा को
जो हर पल साथ निभाया है।।

पिता के बिना जिन्दगी वीरान है
सफर तन्हा और राह सुनसान है।
वहीं मेरी जमीं वहीं आसमान है
वहीं खुदा वहीं मेरा भगवान है।।

नसीब वाले होते है। वो जिनके सर पर
पिता का हाथ होता है।
परेशानियों कम हो जाती है सब जब
पिता का घर में वास होता है।।

मैं घर से निकली तो पता चला
कि मेरा कितना नाम है
क्योंकि मेरे नाम से आगे
मेरे पापा का नाम है।।

खुशियां मिलती अपार
सुकून मिलता अपार
जब मिल जाता है
बस पापा का प्यार।।

हाथ पकड़ कर रखना
हमेशा बाप का
किसे के पैरों को
पकड़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी।।

हाथ पकड़कर रखना
हमेशा बाप का
किसी के पैरों को
पकड़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी।।

पापा का नारियल जैसा व्यवहार है
बाहर से सख्त, अंदर से मुलायम आचार है।
उनकी डाट में छुपा रहता उनका प्यार है
जो न चाहे अपने पिता को उसे धिक्कार है।।

अन्नू जायसवाल
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
हिन्दी साहित्य

युवा शक्ति

सूरज का भी तेज लिए जो
हैं युवा हम वो शक्तिशाली
खण्ड नहीं कर सकता जिसके
है उस अखण्ड देश की डाली।।

ओत-प्रोत हैं यौवन से हम
और नहीं है असमर्थ विकल्प
आवाहन कर युवा क्रांति का
लिया है परिश्रम का संकल्प।।

नहीं असम्भव हमारे लिये
कर के सब कुछ दिखलायेंगें।।
पराकाष्ठा वीरत्व छूकर
अपना महत्व बतलायेंगें।।

हम दिव्यमौन महाशून्य के
अर्द्धरात्रि के हैं हम प्रकाश
नहीं लोभ धन सत्ता का हमें
लिया है इन सभी से सन्यास।।

चंचलता से परिपूर्ण हृदय
जिसने सीखा है सदाचार।
हर कष्ट सहन कर सकते हैं
नहीं सहा जाता भ्रष्टाचार।।

जो छायी है इस अम्बर में
सूरज की वो लाली है हम
सब के चेहरों पर जो बनकर
चमते वो खुशहाली हैं हम

जिन आदर्शों के लिए हमने
मृत्यु का भी वरण किया है
नवकिरण नहीं छोड़ी तुमने
सपनों का भी हरण किया है

तुम्ही निर्णायक युवा क्रांति के
तो फिर तुम लो जनघोष करो।।
क्रांति सारथी तुम ही बनकर
अब हम सब में जल्लोष भरो।।

प्रबल भीड़ है अज्ञानों की
भरना हो तो कुछ ज्ञान भरो।
हम शक्ति हैं राष्ट्रीय हित की
दृढ़ संकल्प सम्मान करो।।

खाक छान लो चाहे तुम भी
वेद पुराण हर इतिहास की।
वो शक्ति हैं हम जिसने कभी
लिखी नहीं कथा परिहास की।।

अंतस की परम दिव्यता में
जब उठा बंधुत्व का नारा
सर्वज्ञ शक्ति भाव में लिपटा
सहिष्णुता संदेश हमारा।।

अद्वैत निद्रा से अब न जागे
समय निरर्थक फिर होना है।
शांति रूपी अखण्ड देश की
सर्वत्र छवि को फिर खोना है।।

नहीं आग है इन हाथों में
हम खुद ही एक चिंगारी हैं
अंधता और अत्याचारों से
युद्ध हमारा फिर जारी है।।

ये युवा ही राष्ट्र शक्ति हैं
देश कर्म फैला कर देखो
हम सब ही तो सिद्ध युक्ति हैं
दृढसंकल्प जगा कर देखो।।

विकास कुम्भकार
कक्षा एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर हिन्दी साहित्य

गाँव की यादें

कल कल करती नदियाँ बहती
तेज उफानों में आती है।
अपनी लालिमा से पूरा गांव महकाती है
तेज हवा में बसंती
सबका मन बहलाती है।।

सुबह-सुबह की धीमी किरणें
नयी सवेरा लाती है।
हर मोहल्ले घुम-घुम के
बच्चे शोर मचाते हैं।
नौ बजे की बारी आते
बच्चे रोज स्कूल जाते हैं
शांत वातावरण का होना
यही रहता माहौल है।

एक-दूसरों के लिए यहाँ
रहता बहुत प्यार है।
शहरों से भी है बहुत
अच्छी प्यारी गांव है।।
भावनाएं समझ-समझ कर
बनता बहुत मिशाल है।
जहाँ हर किसी के चेहरे पर
सच्ची रहती मुस्कान है।।

ठंड की ताजी हवा में,
सबने ओढ़ी रजाई है।
पानी के बुंदों में भी
मिट्टी ने खुशबू लाई है
रंग-बिरंगे फूल खिले।।

बगिया आंगन महकाई है।
रिश्ते-नाते खूब बने
सबने बड़े अच्छे से रिश्ते निभाई है।।

हाँ हमारे गांव में भी
अच्छी खुशियाँ आई है।
धूम-धूम के बांटे मिठाई
सब रौनक आई है।
किलकारी से गूंजी
सबका मन बहलाई है।

रानी साहू
कक्षा एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर हिन्दी साहित्य

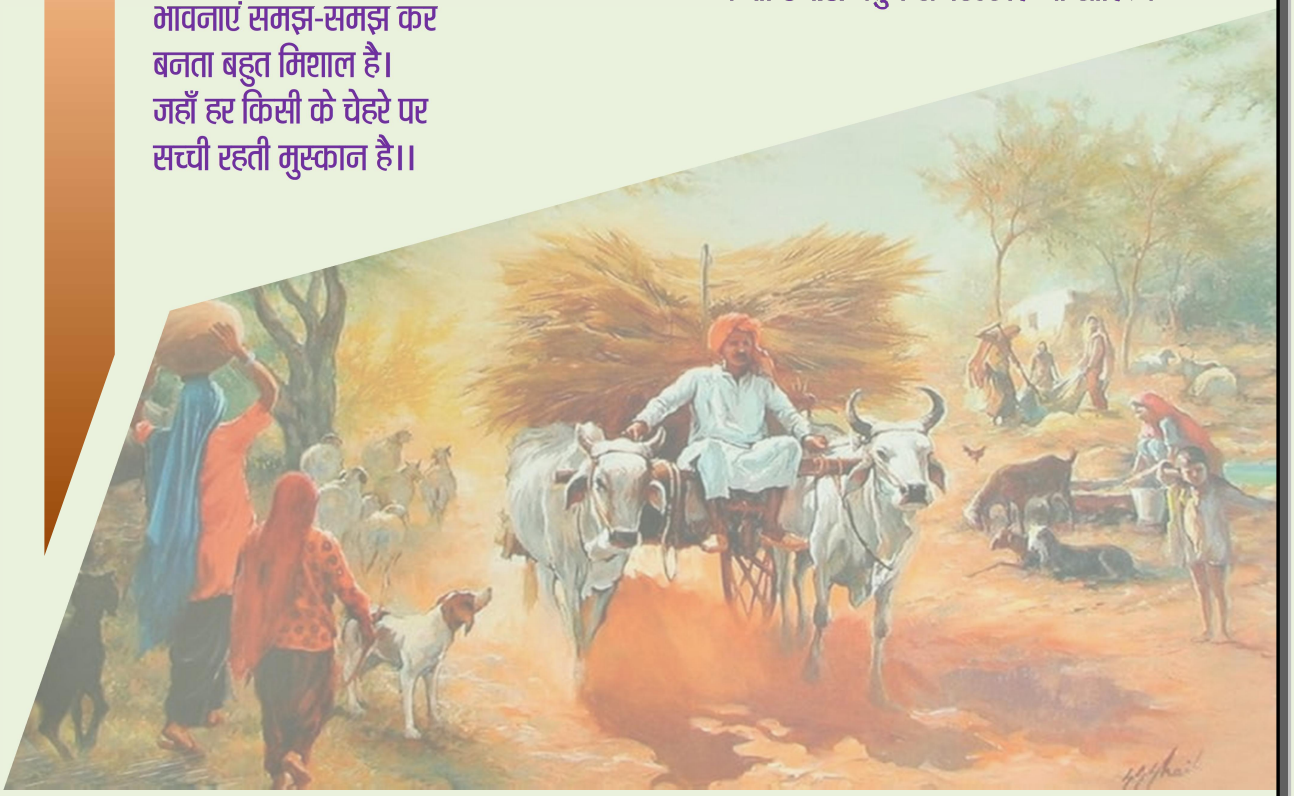

गुरू की महिमा

गुरू के बिना कोई ज्ञान नहीं, ज्ञान के बिना कोई महान नहीं।
गुरू के बिना कोई राह नहीं, संसार में गुरू के जैसा कोई महान नहीं।।

गुरू ज्ञान का भण्डार है, इसमें बरसा पूरा संसार है।
गुरू की महिमा अंपायर है, गुरू साक्षात ईश्वर का वरदान है।।

गुरू वो है जो जीना सीखा दे, आपको आपसे पहचान करा दे।
तराश दे कोहिनूर की तरह तुमको, हार कर जीत जाने का हुनर सीखा दे।।

मेरा मित्र

जब से मेरा यार साथ है, हर पल खुश हो जाता हूँ।
जब से जीवन में तेरा साथ है, हर मुश्किलों को पार कर लेता।।
जब से हर कदम तेरा साथ है,
अब मेरे आंखों से आंसू नहीं बहते जब से तू मेरे पास है।

मतलबी दुनिया में तू ही तो, मेरे हौसलों की पहचान है।
तू साथ है तो सब कुछ मेरे पास है, तू इस दुनिया में मेरे लिए खास है।।

तू है तो मन में विश्वास है, तू ही तो मेरा भाई, मेरा यार और परिवार है।।

सुनील जायसवाल
बी.ए.तृतीय वर्ष

प्रतिवेदन हिन्दी विभाग सत्र 2024-25

महाविद्यालय में 1983 से हिंदी विभाग संचालित है। विभाग में स्नातकोत्तर की कक्षाएं 2005 से प्रारंभ हुई है। हिंदी विभाग में दो सहायक प्राध्यापक तथा एक प्राध्यापक का पद सृजित है। सहायक प्राध्यापक के रूप में श्री नरेंद्र कुमार कुलमित्र तथा दो अतिथि व्याख्याता श्री राजकुमार भारद्वाज एवं श्री देवराज वर्मा कार्यरत हैं। विभाग द्वारा सत्र 2024-25 में संचालित गतिविधियों का विवरण इस प्रकार है -

1. 31 जुलाई, 2024 को महाविद्यालय में मुंशी प्रेमचंद जयंती मनाई गई जिसमें हिंदी विभाग के विभाग अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार कुलमित्र द्वारा मुंशी प्रेमचंद की कहानियों पर जानकारी दी गई तथा वर्तमान में इन कहानियों की प्रासंगिकता पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। एम ए हिंदी प्रथम सेमेस्टर के छात्र आशीष श्रीवास्तव द्वारा पूस की रात कहानी का वाचन किया गया तथा एम ए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा भारतीय बघेल ने बूढ़ी काकी कहानी का वाचन किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के 60 विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

2. 14 सितंबर, 2024 को महाविद्यालय में हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी के प्रसिद्ध व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई जन्म शती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका विषय "परसाई और हमारा समय" था। संगोष्ठी में आलोचक जयप्रकाश, प्रोफेसर सियाराम शर्मा एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष श्री रवि श्रीवास्तव द्वारा महत्वपूर्ण वक्तव्य प्रस्तुत किए गए।संगोष्ठी में 200 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

3. 4 अक्टूबर, 2024 को महाविद्यालय में हिंदी विभाग द्वारा हिंदी परिषद का गठन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बी एस चौहान द्वारा हिंदी परिषद के पदाधिकारी को शपथ दिलाई गई। हिंदी विभागाध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार कुलमित्र द्वारा परिषद के महत्व पर जानकारी दी गई। इस अवसर पर 50 विद्यार्थियों की उपस्थिति रही.

4. 3 फरवरी 2025 को महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा छायावाद के आधार स्तंभ पंडित सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की जन्म जयंती मनाई गई। इस अवसर पर हिंदी विभाग अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार कुलमित्र द्वारा निराला के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में विभाग के 50 विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

5. 21 फरवरी, 2025 को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर हिंदी विभाग के तत्वाधान में मातृभाषा दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्री नरेंद्र कुमार कुलमित्र हिंदी विभाग के विभाग अध्यक्ष ने मातृभाषा के संबंध में जानकारी दी गई।इस अवसर पर 80 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नरेन्द्र कुमार कुलमित्र
विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग

विभागीय प्रतिवेदन मनोविज्ञान विभाग

मनोविज्ञान विभाग संपूर्ण कबीरधाम जिले का एक मात्र विभाग है जो कि आचार्य पंथ श्री गृंध मुनि नाम साहेब शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कवर्धा मे सहायक प्राध्यापक डॉ. कविता कन्नौजे एवं अतिथि व्याख्याता श्री पंचराम साहू कार्यरत् है।

मनोविज्ञान को व्यवहार एवं मानसिक क्रियाओं के अध्ययन का विज्ञन कहा गया है। इस प्रकार मनोविज्ञान मन और व्यवहार का वैज्ञानिक अध्ययन है। मनोविज्ञान हमें व्यवहार ओर मानसिक प्रक्रियाओं के तथ्यों और संबंधो का मूल्यांकन और व्याख्या करने में सक्षम बनाती है। सामाजिक और प्राकृतिक समस्याओं से निपटने के लिए मनोविज्ञन के सिद्धांतो की समझ महत्वपूर्ण है। मनोविज्ञन विषय में अध्ययन के पश्चात् मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में टीचिंग, काउंसलिंग आदि के क्षेत्र में कैरियर के अनेक विकल्प है अतएव इस विषय में विद्यार्थियों का रूझान बढ़ा है।

वर्तमान में महाविद्यालय के मनोविज्ञन विभाग में स्नातक स्तर की कक्षाएँ संचालित हैं, जिसमें NEP के अनुसार सेमेस्टर कक्षाएँ (DSC/GE/VAC) एवं Non NEP B.A. III वर्ष सम्मिलित है।

शैक्षणिक सत्र 2024–25 में अध्ययन के साथ–साथ सह–शैक्षणिक गति विधियाँ भी सम्पन्न कराई गई कुछ प्रमुख गतिविधियों एवं कार्यक्रम का विवरण :–

विभागीय परिषद का गठन :–

विभागीय 'मनोविज्ञन परिषद का गठन मनोविज्ञन विषय के क्षेत्र में होने वाले क्रियाकलापों के समायोजन के लिए किया जाता है। विभागीय परिषद द्वारा सेमीनार, वर्कशॉप, जागरूकता कार्यक्रम शैक्षणिक भ्रमण, क्वीज, मॉडल, पोस्टर, प्रतियोगिता से संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।

2. विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस –

10 सितम्बर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के उपलक्ष्य में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

3. विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस –

10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में एक दिवसीय कार्यशाला काआयोजन किया गया। विभाग द्वारा शैक्षणिक एवं सहशैक्षणिक गतिविधिया संचालित की जाती है।

विभागाध्यक्ष
डॉ. कविता कन्नौजे

तम्बाकू नियंत्रण समिति

महाविद्यालय में तंबाकू नियंत्रण समिति संचालित है। प्राचार्य महोदय के संरक्षण में संयोजक डॉ. कविता कन्नौजे द्वारा तंबाकू उत्पाद के सेवन पर नियंत्रण हेतु 20 सदस्यी टीम गठित की गई है। टीम का मुख्य कार्य तंबाकू उत्पाद की सेवन एवं बिक्री पर नियंत्रण करना है। 100 गज की दूरी तक किसी भी प्रकार के तंबाकू उत्पाद का प्रयोग पूर्णतः वर्जित है तथा नशामुक्ति पर जागरूकता कार्यक्रम किये जाते है। महाविद्यालय को **Tobacco Free Educational institute** बनाये रखना समिति का उददेश्य है तथा तंबाकू उपयोग करते पाये जाने पर अधिनियम के तहत् नियमानुसार जुर्माने का प्रावधान है।

काउंसलिंग सेल

महाविद्यालय में काउंसलिंग सेल संचालित है। विद्यार्थियों में किसी भी प्रकार की चिंता, अवसाद, डर आदि होने पर वे महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में संचालित कांउसलिंग सेल में जाकर काउंसलिंग लेते है। संयोजक डॉ. कविता कन्नौजे द्वारा परीक्षा पूर्व तनाव प्रबंधन, समय प्रबंधन समायोजन पर समय-समय पर प्रशिक्षण दिया जाता है। किसी भी प्रकार का मानसिक तनाव होने पर महाविद्यालयीन विद्यार्थी काउंसलिंग सेल का लाभ ले सकते है।

राष्ट्रीय सेवा योजना

आचार्य पंथ श्री गृंध मुनि नाम साहेब शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कवर्धा में राष्ट्रीय सेवा योजना महिला इकाई संचालित है। महाविद्यालय में महिला इकाई के तहत् 100 स्वयं सेविकाएँ पंजीकृत है। रासेयो के नियमित गतिविधियों तथा शिविर के माध्यम से समाजसेवा, जागरूकता का कार्य किया जाता है।

नियमित गतिविधियों के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2024-25 में किये गये प्रमुख कार्य :-

1. स्वयं सेविकाओं को रासेयो के सिद्धांतो का प्रशिक्षण।
2. स्वयं सेविकाओं को योग, परेड आदि की ट्रेनिंग।
3. महाविद्यालय प्रांगण, परिसर में स्वच्छता का कार्य।
4. महाविद्यालय प्रांगण परिसर में वृक्षारोपण, पर्यावरण संवर्धन पर कार्य।
5. मतदाता जागरूकता पर विभिन्न कार्यक्रम एवं आदर्श मतदान केन्द्रो में सेवा कार्य किया गया।
6. विभिन्न विशेष दिवसों पर जागरूकता, रैली, निबंध, भाषण, प्रतियोगिता का आयोजन जिसमें प्रमुख रूप से वीर बाल दिवस, विश्व एड्स दिवस, विश्व तम्बाकू निषेध दिवस, कृमि मुक्ति दिवस, संकल्प दिवस, नार्कोटिक संसिटाइजेशन कार्यक्रम सम्मिलित है।
7. समुदाय में सहभागिता- यातायात जागरूकता पर संदेश एवं हेल्मेट पहनकर जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक आदि।
8. महाविद्यालयीन कार्यक्रमों में सहयोग स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस पर तैयारी में कार्य।
9. युवा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन।
10. डिजिटल साक्षरता एवं मेरा युवा भारत पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित।
11. उच्च शिक्षा विभाग एवं विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार अन्य विशेष दिवसीय कार्यक्रम, वर्कशाप, सेमिनार आदि।
12. गोदग्राम चिमरा में विभिन्न मुद्दो पर कार्यक्रम तथा एक दिवसीय शिविर का आयोजन।
13. राज्य स्तरीय एवं एडवेंचर कैंप के लिए स्वयं सेविकाओं का चयन हुआ जिसमें क्रमशः रूखमणी नौरंग एवं पायल चन्द्राकर शामिल है।

सात दिवसीय विशेष शिविर (प्रमुख बिन्दु)

शैक्षणिक सत्र 2024-25 में रासेयो का सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन ग्राम पंचायत सिंघनपुरी विकासखण्ड बोड़ला जिला- कबीरधाम में दिनांक 27.01.2025 से 02.02.2025 तक छिरहा विकासखण्ड कवर्धा जिला- कबीरधाम में किया गया विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ऋचा मिश्रा के संरक्षण में तथा रासेयो समन्वयक श्री जैनेन्द्र कुमार दिवान एवं रासेयो जिला संगठक डॉ. कामती सिंह परिहार के मार्गदर्शन में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कविता कन्नौजे के नेतृत्व में शिविर संपन्न हुआ।

शिविर का मुख्य उद्देश्य शिविर ग्राम में विभिन्न स्वास्थ्य, स्वच्छता सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता का संदेश देना थां जो कि इस वर्ष थीम- 'मेरा युवा भारत एवं डिजिटल साक्षरता के लिए युवा के तहत् किया गया।

सात दिवसीय विशेष शिविर में ग्राम पंचायत छिरहा के गणमान्य नागरिको एवं समस्त ग्रामवासियों तथा स्कूल के प्राचार्य एवं स्टॉफ के साथ-साथ स्कूली बच्चों का भी विशेष सहयोग रहा प्रभातफेरी, बौद्धिक परिचर्चा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, दीवारों पर जागरूकता संदेश लेखन, समुदाय से चर्चा, वहा की समस्या की पहचान करना आदि कार्य किये गये। बौद्धिक परिचर्चा में स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, यातायात विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग के वक्ताओं एवं विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत सेवानिवृत्त शिक्षक एवं शिक्षाविहा द्वारा भी विशेष व्याख्यान दिये गये। शिविर में महाविद्यालय के समस्त अधिकारी, कर्मचारीगण रासेयो के स्वयं सेवको का सहयोग रहा।

रेड रिबन क्लब

महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब संचालित है जो कि परियोजना संचालक छ.ग. राज्य एड्स नियंत्रण समिति के निर्देशानुसार कार्य करता है। समिति में 30 छात्र, 30 छात्राएँ पंजीकृत है। तथा इस समिति का मुख्य उददेश्य एड्स का बीमारी पर जागरूकता अभियान चलाना है। समिति CGSACS एवं NACO के निर्देश का पालन करते हुए विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन करती है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में किये गये प्रमुख कार्य :-

1. समिति के Volunteers को गतिविधियों के संबंध में प्रशिक्षण।
2. विश्व एड्स दिवस पर 15 दिवसीय जागरूकता पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत पौधारोपण, समुदाय में जागरूकता रैली, भाषण, रंगोली, निबंध पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन।
3. विभिन्न संस्थाओं का शैक्षणिक भ्रमण (ICTC जिला अस्पताल कवर्धा, आस्था एन.जी.ओ) कवर्धा ।
4. 12 जनवरी राष्ट्रीय युवा दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम तथा एड्स जागरूकता अभियान का आयोजन।
5. एच.आई.व्ही/एड्स 2017 संबंधित प्राप्त शिकायत के संबंध में छः माही जानकारी छ.ग. राज्य एड्स नियंत्रण समिति को भेजी जाती है।
6. एड्स पीड़ित व्यक्ति के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव न हो इस संबंध में जानकारी सूचना पहल पर जारी की गई है तथा शिकायत अधिकारी नियुक्त किये गये है जो कि एच.आई.व्ही/एड्स एक्ट 2017 के तहत कार्य करते है।

प्राणीशास्त्र विभाग

शासकीय पी.जी. कालेज कवर्धा के अन्तर्गत प्राणीषास्त्र विभाग के अन्तर्गत स्नातक सन् 1989 एवं स्नातकोत्तर 2008 से संचालित है। प्राणीषास्त्र विभाग में वर्तमान में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में 80 सीट है। विभाग के प्रभारी विभागाध्यक्ष श्री संतोष कुमार डहरिया, श्री गोवर्धन चन्द्रवंषी, प्रयोगषाला तकनीषियन एवं विभाग में दो अतिथि व्याख्याता श्री उमेष राजपूत, श्रीमति माधुरी भास्कर कार्यरत है एवं धनी राम पटेल, सफाई कर्मचारी जनभागीदारी कर्मचारी है।

1. **विभागीय परिषद का गठन –** विभागीय परिषद का गठन जुलॉजीकल का फिल्ड मे होने वाले सभी क्रिया कलापों का समायोजन एवं शोध के क्षेत्र में बढ़ावा एवं नवीन कार्यो के विकास सृजन के लिए किया जाता है। दिनांक 13.09.2025 को प्राचार्य महोदया की अध्यक्षता एवं विभागध्यक्ष के मार्गदर्षन में प्राणीषास्त्र परिषद का गठन किया गया है जिसमें अध्यक्ष– दिव्या देवांगन (MSc- III Sem.) उपाध्यक्ष– होली राज पटेल (MSc- I Sem.) सदस्य (MSc- III/I Sem.) अन्य विद्यार्थी है।

2. विभाग में दिनांक 20.09.2025 दिन शनिवार को अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता श्री असीत कुमार सहायक प्राध्यापक, शासकीय कन्या महाविद्यालय कवर्धा ने How to parapose for competitive Exa. पर व्याख्यान दिया।

3. प्राणीषास्त्र विभाग के एम.एस.सी. प्रथम/तृतीय के लगभग 10 विद्यार्थी ने कृषि विज्ञान केन्द्र कवर्धा द्वारा आयोजित सात दिवसीय प्रषिक्षण जिसमें विषय राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिषन योजनान्तर्गत दिनांक 23.10.2026 से 29. 10.2026 तक प्रषिक्षण मे भाग लियें।

4. दिनांक 04.11.2025 को एम.एस.सी. प्रथम/तृतीय जुलॉज के छात्र को Diversity of Vertebrate Animal के अध्ययन हेतु जंगल सफारी रायपुर का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया।

5. दिनांक 03.02.2026 को बी.एस.सी. तृतीय वर्ष (प्राणीषास्त्र) के विद्यार्थी को प्रोजेक्ट वर्क हेतु फिल्ड प्रषिक्षण/भ्रमण के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र कवर्धा का भ्रमण कराया गया।

6. विभाग के विद्यार्थी द्वारा प्राचार्य महोदया डॉ. ऋचा मिश्रा के आदेषानुसार विभाग मे Creative Corner का निर्माण किया गया।

7. विभागध्यक्ष श्री एस.के. डहरिया, सहायक प्राध्यापक के मार्गदर्षन में विभाग के बाहर Wall पर NEP Student and painting कराया गया जो महाविद्यालय मे उत्कृष्ट Wall Paint है।

8. महाविद्यालय के प्राणीषास्त्र विभाग विद्यार्थी द्वारा उपयोग किये गये West Product से Best Product उपयोगी का निर्माण कराया गया।

9. विभाग के प्राणीषास्त्र छात्र द्वारा महाविद्यालय परिसर स्थित Botanical Garden पीछे Vermiculite किया गया। इस कार्य को लगातार विद्यार्थी द्वारा 4 माह लगभग 120 दिन की देख–रेख मे करके का निर्माण एवं Vermicompost तैयार किया गया जो पेड़ पौधे के लिये उपयोगी।

10. प्राणीषास्त्र विभाग की अन्य गतिविधि जैसे एक दिवसीय स्वच्छता अभियान, Science Day Celebration, Lab Decoration वार्षिक उत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम मे सहभागिता, सप्ताह मे प्रत्येक शनिवार सेमीनार Model Preparation, Quize Competition वाद–विवाद प्रतियोगिता, Plantation in Botanical Garden Skill and Graft इत्यादि शामिल है।

विभागाध्यक्ष
संतोष कुमार डहरिया
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
कवर्धा, जिला कबीरधाम छ.ग.
जिला कबीरधाम छ.ग.

विभागीय प्रतिवेदन
वनस्पति विभाग

आचार्य पंथ श्री गृन्ध मुनि नाम साहेब शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कवर्धा में वनस्पति शास्त्र विभाग सत्र 2008 सें संचालित हे। जिसमें स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर शैक्षणिक सुविधा उपलब्ध है। वर्तमान में स्नातकोत्तर (एम.एस.सी. बॉटनी) में 80 सीटे निर्धारित है। वनस्पति शास्त्र में एक सहायक प्राध्यापक डॉ. सुनीता जाखड़ एवं एक अतिथि व्याख्याता प्राची श्रीवास्तव, प्रयोगषाला तकनीशियन श्री ओंकार नाथ कुर्रे कार्यरत है।

विभाग द्वारा सत्र 2025–26 में निम्नलिखित कार्यक्रमों एवं कुछ प्रमुख गतिविधियाँ आयोजित करायी गयी है।

1. **विभागीय परिषद का गठनः–** विभागीय परिषद का गठन विभाग में होने वाली शैक्षणिक, सह पाठयक्रम एवं शोध गतिविधियों के समन्वय तथा नवाचार को बढ़ावा देने हेतु किया जाता है। प्राचार्य महोदय की अध्यक्षता में परिषद का गठन किया गया। जिसमें भावना यादव – अध्यक्ष, अजय भास्कर– उपाध्यक्ष, नेहा – सचिव, राजखाण्डे, – सहसचिव, मनीष, भुवनेष्वरी – कोषाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किये गये।

1. **शैक्षणिक भ्रमण एवं जानकारी प्राप्तः**– 18 नवम्बर 2025 को भोरमदेव अभ्यारण, चिल्फी घाटी में बी.एस.सी. तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के द्वारा शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। जहा विभिन्न प्रकार की वनस्पति एवं वन्य जीवो का अध्ययन किया गया। महाविद्यालय में 24 नवंबर को लगभग 50 विद्यार्थियों को कृषि विज्ञान केन्द्र इंदिरा गांधी कृषि विष्वविद्यालय रायपुर ले जाया गया।
    - औषधी पौधो के बारे में जानकारी प्राप्त की गई।
    - बीज संरक्षण के बारे विद्यार्थियों के द्वारा अध्ययन किया गया।
    - वनस्पति एवं जीव जन्तुओं का अध्ययन और प्रशिक्षण दिया गया
    - पौधो से तैयार किये गये खरपतवार और कीटनाषकों को बनाने वाली वनस्पति विधियों के बारे में छात्रों ने विभिन्न प्रकार की जानकारी प्राप्त की। इसके साथ साथ कर्षण क्रियाओं एवं प्लाटं सरक्षण और फल विज्ञान पोस्ट हार्वेस्ट टेक्नोलाजी के बारे में जानकारी प्राप्त की गई।

3. **शैक्षणिक एवं प्रायोगिक गतिविधियॉ :–**
    - बी.एस.सी. तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट एव ंफिल्ड वर्क प्रषिक्षण दिया गया।
    - बॉटनिकल गार्डन में व्यावहारिक अध्ययन कराया गया।

4. **रचनात्मक एवं नवाचार गतिविधियॉः–**
    - प्राचार्य डॉ. ऋचा मिश्रा के निर्देषन में विभाग में Creative Corner का निमार्ण कराया गया।
    - NEP (राष्ट्रीय षिक्षा नीति) के अंतर्गत विद्यार्थियों से विभिन्न प्रोजेक्ट कार्य करवाए गए।
    - विद्यार्थियों की रचनात्मकता को बढ़ावा दिया गया।
    - विद्यार्थियों के द्वारा इंदिरा गांधी कृषि केन्द्र रायपुर में 36 प्रकार की भाजियों के बारे में जानकारी प्राप्त की।
    - 14 अक्टूबर को विभाग द्वारा रंगोली, हेण्डीक्राफ्ट दिया मेकिंग, हेण्डी क्राफ्ट लैम्प–कार्यक्रम करवाया गया। जिसमें विभिन्न विद्यार्थियों ने भाग लिया।
    - विभाग के वस्पति छात्रों द्वारा बाटनिकल गार्डन में पेंटिंग करवाई गई। जिसमें एन.इ.पी. विद्वार्थियों ने सहभागिता दिखाई।
    - वनस्पति विभाग की अन्य गतिविधियॉ जैसे – साईंस दिवस, आई.पी.आर वर्कषीप, लैब डेकोरेषन वार्षिक उत्सव के कार्यक्रम में विद्यार्थियों के द्वारा सहभागिता दी गई।

विभागाध्यक्ष
डॉ. सुनिता जाखड़
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
कवर्धा, जिला कबीरधाम छ.ग.

विभागीय प्रतिवेदन

भूगोल विभाग

भूगोल विभाग शैक्षणिक सत्र 2024-25 के दौरान विभाग की शैक्षणिक, सह-शैक्षणिक तथा अनुसंधान गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करता है। विभाग का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भौगोलिक ज्ञान, पर्यावरणीय जागरूकता तथा शोध कौशल से सुसज्जित करना है।

आचार्य पंथ श्री गृंध मुनि नाम साहेब शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कवर्धा जिला कबीरधाम में भूगोल विभाग की स्थापना का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्राकृतिक एवं मानव भूगोल के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराना है। विभाग में स्नातक एवं स्नातकोत्तर की कक्षाएं संचालित हो रही हैं। भूगोल विभाग में 01 पद प्राध्यापक हेतु स्वीकृत हैं। वर्तमान में अतिथि व्याख्याता के पद पर सुश्री पुष्पलता कोराम, श्रीमती सीता साहू और प्रयोगशाला तकनीशियन के पद पर श्रीमती स्वेच्छा सिंह परिहार कार्यरत हैं, जो शिक्षण के साथ-साथ महाविद्यालय के अन्य कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

शैक्षणिक सत्र 2024-25 में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर में 45 एवं एम.ए. तृतीय सेमेस्टर में 40 हैं। बी.ए. प्रथम सेमेस्टर में 77, बी.ए. द्वितीय वर्ष 115 एवं बी.ए. तृतीय वर्ष 87 । इस प्रकार स्नातकोत्तर स्तर पर कुल 95 विद्यार्थी और स्नातक स्तर पर कुल 279 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया हैं।

नियमित कक्षाओं का संचालन समय-सारिणी के अनुसार किया गया। पाठ्यक्रम को निर्धारित समयावधि में पूर्ण किया गया। आंतरिक परीक्षाएँ एवं असाइनमेंट समय पर आयोजित किए गए। छात्रों को प्रायोगिक कार्य जैसे मानचित्रण एवं सर्वेक्षण कार्य कराए गए। छात्रों के विकास के लिए विभागीय सेमिनार व अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। छात्रों द्वारा विभिन्न विषयों पर सामूहिक चर्चा- परिचर्चा किए गए। छात्रों का कियर काउंसलिंग किया गया। शोध के क्षेत्र, नेट/सेट परीक्षाओं, और रोजगार उन्मुखी क्षेत्रों में जाने के लिए प्रेरित किया गया। शैक्षणेतर गतिविधियों के प्रति विद्यार्थियों में रूचि उत्पन्न करने एवं विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के विकास के लिए 'भूगोल परिषद' का गठन किया गया। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों में विभाग के विद्यार्थियों ने भाग लिया, जो बहुत ही सराहनीय हैं। विद्यार्थियों को लघु शोध कार्य एवं परियोजनाओं हेतु प्रोत्साहित किया गया। विभाग का परीक्षा परिणाम संतोषजनक रहा। अधिकांश छात्रों ने अच्छे अंकों से सफलता प्राप्त की। संसाधनों की कमी उपकरणों का अभाव। आधुनिक तकनीकों का समावेश। अधिक शोध परियोजनाओं को बढ़ावा देना। छात्रों के लिए अधिक शैक्षणिक भ्रमण आयोजित करना।

भूगोल विभाग ने इस सत्र में शिक्षण, शोध एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों में संतोषजनक प्रगति की है। भविष्य में विभाग और अधिक उन्नति हेतु प्रयासरत रहेगा। अंततः सीमित संसाधनों के बाद भी विद्यार्थियों के उत्तरोत्तर प्रगति के लिए विभाग हमेशा तत्परता के साथ खड़ा रहेगा।

पुष्पलता कोराम
अतिथि व्याख्याता
भूगोल विभाग

क्रीड़ाविभाग

प्रस्तावना

आचार्य पंथ श्री गृन्धमुनि नाम साहेब शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कवर्धा के अंतर्गत यह क्रीड़ा विभाग संचालित है। क्रीड़ा विभाग के द्वारा महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित त्रि-स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता जैसे परिक्षेत्र स्तरीय, राज्य स्तरीय एवं विश्वविद्यालय स्तरीय (राष्ट्रीय स्तर) के क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया जाता है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में हमारे महाविद्यालय के कुल 220 खिलाड़ी छात्र-छात्राओं ने अलग-अलग 16 प्रकार के खेल विधाओं में भाग लिए, महाविद्यालय के कुल 26 खिलाड़ी छात्र-छात्राओं राष्ट्रीय स्तर एवं 38 खिलाड़ी छात्र-छात्राओं ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेकर महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया है।

क्रीड़ा विभाग की वार्षिक गतिविधियां एवं कार्यक्रम-

- ❖ राष्ट्रीय खेल दिवस आयोजन
- ❖ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन
- ❖ वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता आयोजन
- ❖ परिक्षेत्र स्तरीय व,लीब,ल पुरुष प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन
- ❖ राज्य स्तरीय व,लीब,ल पुरुष प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन
- ❖ परिक्षेत्र स्तरीय हैंडब,ल पुरुष प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन

क्रीड़ा विभाग की उपलब्धियाँ-

- परिक्षेत्र स्तरीय बैडमिंटन पुरुष विजेता
- परिक्षेत्र स्तरीय वॉलीबाल महिला विजेता
- परिक्षेत्र स्तरीय शतरंज महिला विजेता
- परिक्षेत्र स्तरीय वॉलीबाल पुरुष विजेता
- परिक्षेत्र स्तरीय हैंडबॉल महिला विजेता
- परिक्षेत्र स्तरीय हैंडबॉल पुरुष उप विजेता
- परिक्षेत्र स्तरीय बास्केटबाल पुरुष उप विजेता
- अंतर्महाविद्यालयीन सॉफ्ट महिला विजेता
- अंतर्महाविद्यालयीन तैराकी पुरुष प्रतियोगिता 02 सिल्वर
- परिक्षेत्र स्तरीय एथलेटिक्स महिला/पुरुष (05गोल्ड 03सिल्वर)

शैक्षणिक सत्र 2024 -2025 में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित अन्तर्विश्वविद्यालयीन स्तरीय

(राष्ट्रीय स्तर) खेल प्रतियोगिता में सहभागिता खिलाड़ियों के सूची

- ❖ कुल विश्वविद्यालयीन स्तरीय (राष्ट्रीय स्तर) प्रतियोगिताओं की संख्या- 12, महिला वर्ग (07), पुरुष वर्ग (05)
- ❖ विश्वविद्यालयीन स्तरीय(राष्ट्रीय स्तर) प्रतियोगिताओं में सम्मिलित कुल खिलाड़ियों की संख्या-26, (महिला- 16 पुरुष-10)

क्र.	खिलाड़ियों का नाम	खेल का नाम	आयोजन स्थल	प्रतियोगिता का स्तर	तिथि	वर्ग महिल/पुरुष	खिलाड़ियों की संख्या
01. 02. 03.	देवेंद्र चंद्रवंशी मो. उवैश खान अनुभव जायसवाल	व्हालीबाल	Maharaja Sriram Chandra Bhanja Deo University, Badipada (Odisha)	East zone	19.11.2024 23.11.2024	पुरुष	03
04. 05. 06.	आफरीन नाज विभा ठाकुर सोनावती	व्हालीबाल	KIIT University, Bhubaneswar (Odisha)	East zone	06.11.2024 10.11.2024	महिला	03
07. 08.	शैलेंद्र वर्मा सुमीत निशाद	हॉकी	Sambalpur University, Sambalpur (Odisha)	East zone	19.11.2024 24.11.2024	पुरुष	02
09. 10.	विद्या गंधर्व सोनावती	एथ्लेटिक्स	KIIS University, Bhubaneswar (Odisha)	All India	26.12.2024 30.12.2024	महिला	02
11.	पारस	एथ्लेटिक्स	KIIS University, Bhubaneswar (Odisha)	All India	26.12.2024 30.12.2024	पुरुष	01
12.	विद्या गंधर्व	कबड्डी	Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)	East zone	12.11.2024 14.11.2024	महिला	01
13. 14. 15.	प्रियंका बर्वे कनक माली सोनावती	हैंडबाल	Berhampur University, Odisha	East zone	17.02.2025 19.02.2025	महिला	03
16. 17.	इशराईल खान उदय कुमार साहू	हैंडबाल	KIIT University, Bhubaneswar (Odisha)	East zone	16.03.2025 18.03.2025	पुरुष	02
18.	अंजुम परवीन	सतरंज	Atal Bihari Bajpayee Vishawavidyalaya Bilaspur (C.G.)	East zone	25.02.2025 28.02.2025	महिल	01
19. 20.	प्रकाश यादव छत्रपाल पटेल	साफ्टबाल				पुरुष	02
21. 22. 23. 24. 25.	कविता सिन्हा श्रुति ठाकुर गौरी जायसवाल शानु यादव सविता कोसले	साफ्टबाल				महिल	05
26.	सतवंतीन निषाद	क्रिकेट	KIIS University, Bhubaneswar (Odisha)	East zone	09.03.2025 13.03.2025	महिल	01
						महिल – 16, पुरुष–10 कुल– 26	

उच्च शिक्षा विभाग अन्तर्गत राज्य स्तरीय क्रीडा प्रतियोगिता सत्र 2024-25 में सम्मिलित

राज्य स्तरीय खिलाड़ी छात्र-छात्राओं की सूची

स.क्र.	खिलाड़ी का नाम	खेल विधा का नाम
01. 02.	अंजुम परवीन रिया देवांगन	सतरंज (महिला)
03.	सुधेश्वर पाठक	फुटबॉल (पुरूष)
04. 05. 06. 07.	उज्जवल गुप्ता प्रज्जवल गुप्ता ललित चंद्रवंशी कौलश धनकर	बैडमिंटन (पुरूष)
08. 09. 10.	इजराईल खान उदय कुमार साहू सोहम चंद्राकार	बास्केटबाल (पुरूष)
11. 12. 13. 14.	विकास चन्द्रवंशी देवेन्द्र मो. उवैश खान अनुभव जायसवाल	व्हॉलीबाल (पुरूष)
15. 16. 17.	ऑफरीन नाज विभा ठाकुर सोनावती	व्हॉलीबाल (महिला)
18.	विद्या गंधर्व	कबड्डी (महिला)
19.	चंद्रप्रकाश	कबड्डी(पुरूष)
20.	राजेंद्र कुमार	क्रिकेट (पुरूष)
21.	पारस	एथलेटिक्स (पुरूष)
22. 23.	सेनावती विद्या गंधर्व	एथलेटिक्स (महिला)
24. 25. 26. 27. 28. 29. 30.	प्रियंका बर्वे कनक माली मोनिका चंदेल विभा ठाकुर लक्ष्मी कार्णिक सोनम चंद्रवंशी सोनावती	हैण्डबॉल (महिला)
31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38.	उदय कुमार साहू इसराईल खान चिराग निर्मलकर सोहम चंद्राकार राहुल धुर्वे विजयभान कस्तूरे विष्णु यादव सीताराम जांगड़े	हैण्डबॉल (पुरूष)

संपादित कार्यक्रमों के समाचार पत्रों की प्रतियाँ

पीजी कॉलेज में प्रेमचंद जयंती मनाई गई

■ नरेन्द्र कुलमित्र ने मुंशी प्रेमचंद के नेतृत्व व व्यक्तित्व पर सारगर्भित विचार प्रकट किया।

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

जिले के एकमात्र अग्रणी महाविद्यालय आचार्य पंथ श्री गृन्ध मुनि नाम साहेब स्नातकोत्तर महाविद्यालय कवर्धा बुधवार को को हिन्दी कथा व उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद जंयती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बीएस चौहान द्वारा मुंशी प्रेमचंद के छायाचित्र पर दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

तत्पश्चात एमए प्रथम सेमेस्टर के छात्र आशीष श्रीवास्तव द्वारा प्रेमचंद की कालजयी रचना पूसा की रात का वाचन किया, इसी तारतम्य में एमए हिन्दी विभाग की छात्रा भारती बघेल ने बूढी काकी कहानी का वर्तमान परिपेक्ष्य में महत्व को बताया। तत्पश्चात प्राचार्य डॉ बीएस चौहान द्वारा महाविद्यालय के सभी विद्यार्थीयों को कवि व लेखको के रचनाओं का अध्ययक्ष करने कहा उसके बाद संस्था के हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष नरेन्द्र कुमार कुलमित्र द्वारा मुंशी प्रेमचंद के नेतृत्व व व्यक्तित्व पर सारगर्भित विचार प्रकट किया गया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ ऋचा मिश्रा, डॉ दीप्ति जांगडे, डॉ सुनिता जाखड़, डॉ मुकेश कामले, जय मेहरा एवं सुश्री कविता कन्नौजे की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का आभार व्यक्त रवि यादव एवं कार्यक्रम में मंच का संचालन राजकुमार भारद्वाज द्वारा किया गया, इस कार्यक्रम में एमए हिन्दी के छात्र-छात्राएं जिसमें डोमन, प्रिया, मधु, हर्षिता व महाविद्यालय छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थें।

पीजी कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

आचार्य पंथ श्री गृंध मुनी नाम साहब शासकीय महाविद्यालय कवर्धा में योग दिवस के अवसर पर इस वर्ष एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग उद्देश्य के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम दिवस 20 जून को महाविद्यालय में कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें योग के महत्व तथा तथा स्वस्थ जीवन के लिए योग का स्वास्थ्य पर प्रभाव के बारे में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ऋचा मिश्रा एवं स्त्रोत वक्ता के रूप में उपस्थित सुरेश चंद्रवंशी ने अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना, एनसीसी एवं स्पोर्ट विभाग के तत्वाधान में आयोजित किया गया। वहीं कार्यक्रम का संचालन डॉ कविता कन्नौजे कार्यक्रम अधिकारी रासेयो महिला इकाई द्वारा किया गया। द्वितीस दिवस 21 जून को प्रातः काल में सद्भावना मंच के समक्ष लेखु चंद्रवंशी भोरमदेव योग चिकित्सा केंद्र कवर्धा के मुख्य आतिथ्य में योग दिवस पर योगाभ्यास का कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ऋचा मिश्रा ने अपने उद्बोधन में योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए स्वास्थ्य लाभ के लिए इसे आवश्यक बताया। लेखु चंद्रवंशी ने भी योग के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किया साथ ही योग के अनेक प्राणायाम, योग और व्यायाम के माध्यम से अभ्यास कराया, एनसीसी कैडेट टिकेश ने भी योगासन बताया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ कविता कन्नौजे, डॉ राकेश चंदेल, भानुप्रताप सिंह, खेलन प्रसाद महुले ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ दीप्ति जांगडे, व्याख्याता मुकेश कामले, नरेंद्र कुलमित्र, कृष्णा बंजारे, जय मेहरा, आकांक्षी वर्मा, सीमा मंडावी, ओएन कुर्रे, प्रत्युष श्रीवास्तव सहित विद्यार्थियों ने पूरी तन्मयता के साथ योगाभ्यास किया।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर महाविद्यालय में विविध कार्यक्रम आयोजित

■ मातृभाषा दिवस प्रतियोगिता में छात्र छात्राओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कवर्धा

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर पीजी कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा यूजीसी के निर्देशानुसार महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ऋचा मिश्रा के मार्गदर्शन में दो दिवसीय भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम दिवस शुक्रवार को मातृभाषा पर संगोष्ठी तथा चर्चा कार्यक्रम हुआ। संगोष्ठी में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष व्याख्याता नरेंद्र कुमार कुलमित्र ने अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के इतिहास पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए मातृभाषा दिवस के उद्देश्यों पर अपनी बात रखी।

उन्होंने अपने वक्तव्य में बताया कि सन 1952 में पाकिस्तान द्वारा बांग्लादेश में उर्दू को आधिकारिक तौर से राज्य भाषा के रूप में जबरदस्ती थोपा जा रहा था, जिससे बांग्लादेश में असंतोष फैल गया था क्योंकि उनकी मातृभाषा बांग्ला थी। बांग्लादेश के छात्रों ने अपनी मातृभाषा बांग्ला के अधिकार एवं सुरक्षा के लिए 21 फरवरी 1952 को देशव्यापी आंदोलन किया। आंदोलन के फलस्वरुप अनेक छात्राओं को अपनी जान गंवानी पड़ी। सन 1999 में यूनेस्को द्वारा मातृभाषा के महत्व को संज्ञान में लेते हुए 21 फरवरी की घटना को स्थान देते हुए प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाए जाने के प्रमुख उद्देश्यों में भाषा संरक्षण करते हुए बहुभाषिकता को बढ़ाना, मातृभाषा में शिक्षा को बढ़ावा देना, लुप्त हो रही भाषाओं का पुनरुद्धार करना तथा भाषाई अधिकारों की रक्षा में मदद करना शामिल है। वहीं सन 2000 से मनाए जा रहे अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का यह रजत उत्सव वर्ष है। नई शिक्षा नीति 2020 में भी मातृभाषा के माध्यम से शिक्षण को प्रोत्साहित किया गया है।

मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ कविता कन्नौजे ने मातृभाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए छत्तीसगढ़ी भाषा में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। एमए हिंदी के छात्र आशीष श्रीवास्तव ने मातृभाषा के महत्व पर विद्यार्थियों की ओर से भाषण प्रस्तुत किया। द्वितीय दिवस शनिवार को विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें छत्तीसगढ़ी भाषा के महत्व विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में भूमिका देवांगन ने प्रथम, पूर्वा जायसवाल ने द्वितीय तथा भारती बघेल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छत्तीसगढ़ी मातृभाषा विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में आफरीन ने प्रथम, प्रिया श्रीवास्तव ने द्वितीय तथा खुशी परिमल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं छत्तीसगढ़ी लोकगीत गायन प्रतियोगिता में माधुरी झारिया ने प्रथम, टेशू ठाकुर ने द्वितीय तथा राधिका कोशले ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन रवि यादव एवं राजकुमार भारद्वाज द्वारा किया गया। कार्यक्रम में दीपक देवांगन, मुकेश कामले, आकांक्षा वर्मा, डॉ सीमा मण्डावी, भानु प्रताप सिंह, जय मेहरा तथा समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थें।

पत्रिका

राष्ट्र की तरक्की का आधार उसकी युवा पीढ़ी

कवर्धा @ पत्रिका. किसी भी देश में युवा उसका भविष्य होता है। उन्हीं के हाथों देश के उन्नति की बागडोर होती है। प्रत्येक राष्ट्र की तरक्की का आधार उसकी युवा पीढ़ी होती है, जिसकी उपलब्धियों से उस राष्ट्र का विकास होता है। जिस प्रकार से किसी इंजन को चलाने के लिए इंधन की आवश्यकता होती है, ठीक उसी प्रकार किसी भी राष्ट्र के विकास के लिए युवाओं की आवश्यकता होती है।"

उक्ताशय का उद्गार शासकीय हाई स्कूल छिरहा के प्राचार्य डॉ. रमेश चन्द्रवंशी ने पंथश्री गृन्धमुनि नाम साहेब शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कवर्धा द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत ग्राम छिरहा में आयोजित शिविर में आमंत्रित वक्ता के रूप में व्यक्त किए। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्ति के लिए लक्ष्य निर्धारण आवश्यक है। बगैर लक्ष्य निर्धारण के भटकाव के अलावा कुछ नहीं मिलता है। लक्ष्य निर्धारण पश्चात योजनाबद्ध रूप से दृढ़ संकल्पित होकर आगे बढ़ते जाएं, इस मार्ग में मिलने वाली छोटी-मोटी समस्याओं से विचलित हुए बगैर उसका सामना करें, सफलता जरूर मिलेगा। जीवन में आप कोई भी कार्य करें, अपने कार्य पर गर्व करें, क्योंकि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता, कार्य करने की शैली व सोंच ही उसे छोटा या बड़ा बनाता है। इस बात को ध्यान रखें कि सफल व्यक्ति कोई अलग काम नहीं करते हैं, बल्कि वे हर काम अलग तरीके से करते हैं। प्राध्यापक नरेंद्र कुलमित्र ने अपने संबोधन पश्चात सभी विद्यार्थियों से मतदान में भाग लेने का शपथ दिलाया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ राकेश चंदेल, डॉ. कविता कन्नौजे, विश्वम्भर पटेल, शिक्षिकाएँ पुसमनी पैकरा, मंजू चन्द्रवंशी, सुलोचना राजपूत एवं एनएसएस के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

31/01/2025 | Kawardha | Page : 4
Source : https://epaper.patrika.com/

एक दिवसीय जिला स्तरीय एनईपी संवेदीकरण कार्यशाला में चुनौतियों पर की गई चर्चा

नईदुनिया न्यूज, कवर्धा: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के संदर्भ में सोमवार को अग्रणी महाविद्यालय शासकीय पी.जी. महाविद्यालय कवर्धा में एन.ई.पी. प्रकोष्ठ के तत्वावधान में एवं प्रभारी प्राचार्य डॉ. ऋचा मिश्रा के मार्गदर्शन में एक दिवसीय जिला स्तरीय एन.ई.पी. संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के संकाय प्रभारियों एवं एन.ई.पी. एम्बेसडर्स ने सहभागिता की। कार्यशाला में स्रोत वक्ता के रूप में डॉ. कामती सिंह परिहार (प्रभारी प्राचार्य, गजानन माधव मुक्तिबोध शासकीय महाविद्यालय, सहसपुर-लोहरा) और असित कुमार मिश्रा (सहायक प्राध्यापक, राजमाता विजयराजे सिंधिया कन्या महाविद्यालय, कवर्धा) उपस्थित रहे।

एक दिवसीय जिला स्तरीय एनईपी संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन।● नईदुनिया

असित कुमार मिश्रा ने एन.ई.पी. 2020 के प्रमुख बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी और नीति के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों के समाधान हेतु महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। डॉ. कामती सिंह परिहार ने स्नातक सेमेस्टर द्वितीय में विद्यार्थियों को जनरल इलेक्ट्रिव और स्किल एन्हांसमेंट कोर्स चयन में संभावित समस्याओं और उनके समाधान के विषय में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। कार्यशाला में लवण सिंह कंवर सहायक प्राध्यापक एवं एस.एस.श्याम सहायक प्राध्यापक ने भी अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर एन.ई.पी. प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. दीप्ति जांगड़े, सदस्य मनसुख लाल वर्मा और रमेश महोबिया सहित जिले के समस्त महाविद्यालयों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यशाला का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शिक्षकों और संकाय सदस्यों को मार्गदर्शन दिया।

कवर्धा महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭स./लोहारा

पीजी महाविद्यालय में जिला निर्वाचन कार्यालय कबीरधाम के निर्देशानुसार एक दिवसीय मतदाता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के स्वीप नोडल अधिकारी प्रो.नरेंद्र कुमार कुलमित्र के संयोजन तथा बी एल ओ हनुमान बंजारे के सहयोग से किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा किए जा रहे नवाचार का प्रचार प्रसार करना था। शिविर में 18 वर्ष पूर्ण कर चुके नव प्रवेशित स्नातक प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 वितरण किया गया तथा वोटर हेल्पलाइन एप्प से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। शिविर के दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.ऋचा मिश्रा ने लोकतंत्र में मतदान के महत्व को रेखांकित किया साथ ही उपस्थित मतदाताओं को निर्वाचन प्रक्रिया में निष्पक्ष एवं अनिवार्य रूप से भाग लेने हेतु शपथ दिलाया। महाविद्यालय के मतदाता विद्यार्थियों को जिला निर्वाचन कार्यालय के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक इंस्टाग्राम एक्स व्हाट्सएप में क्यूआर कोड के माध्यम से फॉलो करने के लिए निर्देशित किया गया।

शिविर में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक दीपक देवांगन, डॉ अनिल शर्मा,मुकेश कांबले, संतोष साहू,आकांक्षा वर्मा, डॉ.सीमा मंडावी, डॉ. कविता कन्नौजे, डॉ जय मेहरा, लेफ्टिनेंट भानु प्रताप सिंह तथा समस्त कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Kawardha - 29 Apr 2025 - 29kw4
epaper.navabharat.news

सड़क सुरक्षा एवं नशा मुक्ति पर एक दिवसीय कार्यशाला

नवभारत रिपोर्टर । कवर्धा।

छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग ,रायपुर द्वारा प्रायोजित सड़क सुरक्षा एवं नशा मुक्ति विषय पर एक दिवसीय जिला स्तरीय जागरूकता कायशाला का आयोजन नगर के अग्रणी महाविद्यालय शास .स्नातकोत्तर महाविद्यालय कवर्धा में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में आयोजित की गई।

कार्यक्रम मे पीजी कॉलेज के साथ ही जिले के अन्य महाविद्यालयों शास.गजानन माधव मुक्तिबोध महाविद्यालय सहसपुर लोहारा, शास. विवेकानंद महाविद्यालय बोड़ला, शास. राजमाता विजयाराजे सिंधिया कन्या महाविद्यालय कवर्धा ,शास. महाविद्यालय पंडरिया, शास. महाविद्यालय पांडातराई, शास. महाविद्यालय पिपरिया के कार्यक्रम अधिकारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों, विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं पोस्टर, नारा लेखन, निबंध तथा नुक्कड़ नाटक में भाग लेकर अपनी सहभागिता दी।

कायशाला की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ऋचा मिश्रा ने की। कायशाला दो सत्रों में आयोजित हुआ, जिसमें प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सेवा योजना कबीरधाम के जिला संयोजक डॉ.कामती सिंह परिहार उपस्थित रहीं तथा विशिष्ट अतिथि महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष रिंकेश वैष्णव, सदस्य अजय ठाकुर रहे। तकनीकी सत्र स्रोत वक्ता के रूप में कबीरधाम जिला परिवहन अधिकारी एम.एल. साहू तथा प्रतीक चतुर्वेदी डीएसपी जिला कबीरधाम ,अंजू कुमारी डीएसपी उपस्थित रहे, तथा दूसरे सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक हेमचंद विश्वविद्यालय दुर्ग से डॉ. जैनेंद्र कुमार दीवान मुख्य अतिथि के रूप में तथा विशिष्ट अतिथि भोरमदेव नशामुक्ति केंद्र कवर्धा से पालसिंग, दिनेश पटेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथियों के आगमन पश्चात सरस्वती पूजा, राजगीत, अतिथि स्वागत सम्मान किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ऋचा मिश्रा द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन में कायशाला के आयोजन एवम् उद्देश्य पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला गया उन्होंने वहां उपस्थित लोगो से सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने तथा नशा न करने की अपील की। स्रोत वक्ता एम.एल. साहू ने सड़क सुरक्षा एवं नशा मुक्ति पर अपना वक्तव्य में बताया कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करें एवं नशा से दूर रहें ।

शहर-समाज
दैनिक भास्कर, भिलाई-रायपुर, रविवार, 23 फरवरी, 2025 | 24

इतिहास पर चर्चा की • मातृभाषा दिवस पर पीजी कॉलेज में संगोष्ठी हुई

बांग्लादेश में उर्दू को राजभाषा बनाने पाक ने की थी कोशिश

भास्कर न्यूज | कवर्धा

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर पीजी कॉलेज के हिंदी विभाग ने यूजीसी के निर्देशानुसार दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. ऋचा मिश्रा के मार्गदर्शन में हुआ। पहले दिन 21 फरवरी को संगोष्ठी और चर्चा हुई।

हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. नरेंद्र कुमार कुलमित्र ने मातृभाषा दिवस के इतिहास और उद्देश्य के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि 1952 में पाकिस्तान ने बांग्लादेश में जबरन उर्दू को राजभाषा बनाने की कोशिश की थी। इसका विरोध करते हुए बांग्लादेश के छात्रों ने 21 फरवरी 1952 को आंदोलन किया, जिसमें कई छात्रों की जान गई। 1999 में यूनेस्को ने इस घटना को मान्यता देते हुए 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस घोषित किया। 2000 से यह दिवस मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य भाषा संरक्षण, बहुभाषिकता को बढ़ावा देना, मातृभाषा में शिक्षा को प्रोत्साहित करना और लुप्त हो रही भाषाओं का पुनरुद्धार करना है। नई शिक्षा नीति 2020 में भी मातृभाषा के माध्यम से शिक्षण को बढ़ावा दिया गया है।

दूसरे दिन विभिन्न प्रतियोगिताएं हुईं। छत्तीसगढ़ी भाषा के महत्व पर निबंध प्रतियोगिता में भूमिका देवांगन प्रथम, पूर्वा जायसवाल द्वितीय और भारती बघेल तृतीय स्थान पर रहीं। भाषण प्रतियोगिता में आफरीन प्रथम प्रिया श्रीवास्तव द्वितीय और खुशी परिमल तृतीय स्थान पर रहीं।

इसके विरोध में वर्ष 1952 में हुआ था आंदोलन

कवर्धा. पीजी कॉलेज में आयोजित संगोष्ठी में मातृभाषा पर व्याख्यान देते प्राध्यापक।

कन्नौजे ने छत्तीसगढ़ी में दिया व्याख्यान

संगोष्ठी में मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. कविता कन्नौजे ने छत्तीसगढ़ी में व्याख्यान दिया। एमए हिंदी के छात्र आशीष श्रीवास्तव ने मातृभाषा के महत्व पर भाषण दिया। कार्यक्रम का संचालन रवि यादव और राजकुमार भारद्वाज ने किया। दीपक देवांगन, मुकेश कामले, आकांक्षा वर्मा, डॉ. सीमा मंडावी, भानु प्रताप सिंह, जय मेहरा आदि मौजूद थे।

मातृभाषा में शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर

दो दिवसीय संगोष्ठी के दौरान प्राध्यापकों ने बताया कि मातृभाषा में शिक्षा से छात्रों को सीखने में आसानी होती है। वे अपनी भाषा में ज्यादा सहज महसूस करते हैं। इससे भाषा कौशल में सुधार होता है। मातृभाषा में पढ़ाई से छात्र ज्यादा अभ्यास कर पाते हैं। इससे उनकी सांस्कृतिक समझ भी बढ़ती है। अपनी परंपराओं और संस्कृति की जानकारी मिलती है। आत्मविश्वास में भी इजाफा होता है। मातृभाषा में पढ़ाई से शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर होती है। छात्र विषयों को ज्यादा गहराई से समझ पाते हैं। भाषाई विविधता को भी बढ़ावा मिलता है। इससे सामाजिक एकता मजबूत होती है। छात्र अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं। आर्थिक विकास में भी योगदान होता है। मातृभाषा में शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Raipur Sanskardhani Bhoomi - 24 Apr 2025 - Page 5

पीजी कॉलेज में प्राथमिक उपचार व स्वास्थ्य पर सेमिनार आयोजित

हरिभूमि कवर्धा। जिला कलेक्टर एवं अध्यक्ष भारतीय रेडक्रास सोसाइटी गोपाल वर्मा के निर्देशानुसार फर्स्ट-एड प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है, जिसके तारतम्य में जिले के लीड महाविद्यालय आचार्य पंथ श्री गृध मुनि नाम साहब शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कवर्धा में प्राचार्या डॉ ऋचा मिश्रा के मार्गदर्शन में महाविद्यालय में संचालित यूथ रेड क्रॉस सोसायटी की इकाई द्वारा गत दिनों सोमवार को महाविद्यालय में प्राथमिक उपचार एवं स्वास्थ्य पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में मुख्य अतिथि डॉ हर्षित तुवानी और जिला रेडक्रॉस सोसायटी जिला संयोजक बाला राम साहू उपस्थित थें। जिस पर डॉ हर्षित तुवानी ने विद्यार्थियों को प्राथमिक उपचार के बारे में बताया, जिसमे यदि किसी व्यक्ति को हृदयाघात हो जाए तो प्राथमिक उपचार सीपीआर द्वारा उनका जीवन बचाने का प्रयास करे, कम आयु के बच्चों को 15 और युवा, वृद्ध व्यक्ति को 30 बार सीपीआर देकर उनकी जान बचाई जा सकती है। विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल कर के सीपीआर विधि से अवगत कराया गया। उन्होने दूसरे परिस्थिति जैसे खून बहना, चोकिंग, हिट स्ट्रोक, डूब जाने, फैक्चर हो जाने, जल जाने पर किस प्रकार से प्राथमिक चिकित्सा लाभकारी हो सकता है विद्यार्थियों को अवगत कराया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के यूथ रेडक्रॉस सोसायटी संयोजक सहायक प्राध्यापक कृष्णा बंजारे, सहायक प्राध्यापक डॉ अनिल शर्मा, डॉ जय मेहरा, संतोष डहरिया, डॉ राकेश चंदेल, लेफ्टीनेंट भानुप्रताप सिंह, डॉ कविता कनौजे उपस्थित थें साथ ही साथ अतिथि व्याख्याता राकेश दानी, हेमंत शर्मा, केके देवांगन, संजय यादव का विशेष सहयोग रहा।

झलकियाँ (तस्वीरों में)

छत्तीसगढ़ शासन
उच्च शिक्षा विभाग, रायपुर
सड़क सुरक्षा एवं नशामुक्ति
एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला (जिला स्तरीय)
राष्ट्रीय सेवा योजना
स्वागत वंदन अभिनंदन
राष्ट्रीय सेवा योजना
जिला - कबीरधाम (छ.ग.)
आचार्य पंथ श्रीगृंधमुनि नाम साहेब
शास.स्नातकोत्तर महाविद्यालय कवर्धा, जिला-कबीरधाम छ.ग.
राष्ट्रीय सेवा योजना

ACHARYA PANTH SHRI GRINDH MUNI NAAM SAHEB
GOVERNMENT P.G. COLLEGE, KAWARDHA

21फरवरी 2025 अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस
GPS Map Camera
Google
21/02/2025 12:21 PM GMT +05:30

आचार्य पंथ श्रीगृंधमुनि नाम साहेब
शास.स्नातकोत्तर महाविद्यालय कवर्धा, जिला-कबीरधाम छ.ग.
राष्ट्रीय सेवा योजना
बाबा जोरावर सिंह जी व बाबा फतेह सिंह जी
के धर्म रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान की याद में

Nothing like voting, I vote for sure
“वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम”

NACO
GPS Map Camera
Kawardha, Chhattisgarh, India
264g+76v, Adarsh Nagar, Kawardha, Chhattisgarh
491995, India
Lat 22.0056° Long 81.225476°
02/12/24 11:37 AM GMT +05:30
Google

NACO
रेडरिबन क्लब
भारत निर्वाचन आयोग

NATIONAL CADET CORPS
अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

SVEEP

आचार्य पंथ श्री गृन्ध मुनि नाम साहब
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कवर्धा
जिला - कबीरधाम (छ.ग.)
एक पेड़ माँ के नाम
2.0
राष्ट्रीय कैडेट कोर
National Cadet Core
Senior Division - Senior Wing

11/12/2024 11:58

मुंशी प्रेमचंद
जयंती
31 जुलाई, 2024

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
दिनांक :- 17/12/2024
क्रीड़ा विभाग

आचार्य पंथ श्रीगृंधमुनि नाम साहेब
शास.स्नातकोत्तर महाविद्यालय कवर्धा, जिला-कबीरधाम छ.ग.
राष्ट्रीय सेवा योजना
NATIONAL SERVICE SCHEME
एक पेड़ माँ के नाम 2.0
अभियान
प्राचार्य, पी.जी. कॉलेज
कवर्धा

NATIONAL SCIENCE DAY CELEBRATION
Empowering Indian Youth for Global Leadership in Science &
Innovation for Viksit Bharat
27 February to 01 March, 2025
C-COST, NCSTC, DST
Govt.P.G.Co
Website: pgcollegekawardha.

शास. शिवनाथ विज्ञा हाविद्यालय
राजनांदगा
1
3
2

महाविद्यालयीन स्टॉफ की सूची

क्र.	नाम	पदनाम	विषय
1	डॉ. ऋचा मिश्रा	प्राचार्य	माईक्रोबॉयोलॉजी
2	श्री दीपक कुमार देवांगन	सहायक प्राध्यापक,	माईक्रोबॉयोलॉजी
3	डॉ.दीप्ति जांगड़े	सहायक प्राध्यापक	रसायन शास्त्र
4	डॉ.अनिल कुमार शर्मा	सहायक प्राध्यापक	सूचना प्रौद्योगिकी
5	श्री मुकेश कुमार कामले	सहायक प्राध्यापक	समाजशास्त्र
6	श्री नरेन्द्र कुमार कुलमित्र	सहायक प्राध्यापक	हिन्दी
7	श्री संतोष कुमार साहू	सहायक प्राध्यापक	अर्थशास्त्र
8	श्रीमती आकांक्षा वर्मा	सहायक प्राध्यापक	गृहविज्ञान
9	डॉ.सीमा मण्डावी	सहायक प्राध्यापक	बॉयोटेक्नॉलॉजी
10	श्री भानु प्रताप सिंह	सहायक प्राध्यापक	राजनीति विज्ञान
11	श्री मनसुख लाल वर्मा	सहायक प्राध्यापक	वाणिज्य
12	डॉ. कविता कन्नौजे	सहायक प्राध्यापक	मनोविज्ञान
13	डॉ.सुनीता जाखड़	सहायक प्राध्यापक	वनस्पति शास्त्र
14	श्री संतोष डहरिया	सहायक प्राध्यापक	रसायन शास्त्र
15	डॉ.राकेश चन्देल	सहायक प्राध्यापक	इतिहास
16	श्री कृष्णा बंजारे	सहायक प्राध्यापक	अंग्रेजी
17	डॉ.जय कुमार मेहरा	सहायक प्राध्यापक	भौतिक शास्त्र
18	श्री खेलन प्रसाद माहुले	क्रीड़ाधिकारी	
19	श्री रवि गढ़ेवाल	लाईब्रेरियन	

क्र.	नाम	पदनाम
1	श्री प्रत्यूष श्रीवास्तव	सहायक ग्रेड-1
2	श्री रमेश कुमार महोबिया	डाटा एन्ट्री ऑपरेटर
3	श्री ओ.एन.कुर्रे	प्रयोगशाला तकनीशियन
4	श्री सी.बी.चन्द्रवंशी	प्रयोगशाला तकनीशियन
5	श्री हनुमान दास बंजारे	प्रयोगशाला तकनीशियन
6	श्रीमती स्वेच्छा सिंह परिहार	प्रयोगशाला तकनीशियन
7	श्री जयंत कुमार साहू	प्रयोगशाला तकनीशियन
8	श्री फलित राम साहू	प्रयोगशाला तकनीशियन
9	श्री रविन्द्र कुमार कुम्भकार	प्रयोगशाला तकनीशियन
10	श्रीमती मीनू ठाकुर	प्रयोगशाला तकनीशियन
11	श्री गोवर्धन चन्द्रवंशी	प्रयोगशाला तकनीशियन
12	श्री रूपेश चन्द्रवंशी	बुक लिफ्टर
13	श्री शशि कुमार नेताम	भृत्य
14	श्री हेमन्त सिंह ठाकुर	चौकीदार
15	श्री रत्ना बाई डग्गर	स्वीपर

अतिथि व्याख्याताओं की सूची

क्र.	नाम	पदनाम	विषय
1	डॉ.खोमन लाल साहू	अतिथि व्याख्याता	समाजशास्त्र
2	डॉ.रितु चन्द्राकर	अतिथि व्याख्याता	समाजशास्त्र
3	सुश्री मंजू वर्मा	अतिथि व्याख्याता	वाणिज्य
4	श्री राजकुमार भारद्वाज	अतिथि व्याख्याता	हिन्दी
5	सुश्री किरण कोठारी	अतिथि व्याख्याता	अर्थशास्त्र
6	श्री संजय यादव	अतिथि व्याख्याता	रसायन शास्त्र
7	श्री विक्रम चन्द्रवंशी	अतिथि व्याख्याता	गणित
8	श्री कृष्ण कुमार देवांगन	अतिथि व्याख्याता	इतिहास
9	सुश्री पुष्पलता कोर्राम	अतिथि व्याख्याता	भूगोल
10	श्री खिलेश ठाकुर	अतिथि व्याख्याता	माईक्रोबॉयोलॉजी
11	श्री पंच राम साहू	अतिथि व्याख्याता	मनोविज्ञान
12	सुश्री सीमा चन्द्रवंशी	अतिथि व्याख्याता	राजनीति विज्ञान
13	श्री उमेश कुमार राजपूत	अतिथि व्याख्याता	प्राणी विज्ञान
14	श्री आशीष पाण्डेय	अतिथि व्याख्याता	पी.जी.डी.सी.ए.
15	श्री संजय खान	अतिथि व्याख्याता	बी.सी.ए.
16	श्रीमती चंचल साहू	अतिथि व्याख्याता	कम्प्यूटर साइंस
17	सुश्री प्राची श्रीवास्तव	अतिथि व्याख्याता	वनस्पति विज्ञान
18	श्री विरेन्द्र शर्मा	अतिथि व्याख्याता	सूचना प्रौद्योगिकी
19	श्री चन्द्रकिरण चन्द्रवशी	अतिथि व्याख्याता	भौतिक शास्त्र
20	सुश्री माधुरी भास्कर	अतिथि व्याख्याता	प्राणी विज्ञान
21	श्री अमित डोंगरे	अतिथि व्याख्याता	अंग्रेजी
22	श्री देवराज वर्मा	अतिथि व्याख्याता	हिन्दी

जनभागीदारी स्टॉफ

क्र.	कर्मचारी का नाम	पदनाम
1	श्री भोलू दास धारवैया	डाटा एन्ट्री ऑपरेटर
2	श्री सोमेश ठाकुर	डाटा एन्ट्री ऑपरेटर
3	श्री विष्णुदत्त साहू	स्वच्छक
4	श्री कमलेश दिवाकर	स्वच्छक
5	श्री छत्रपाल साहू	स्वच्छक
6	श्री धनी राम पटेल	स्वच्छक
7	श्री लक्ष्मी नारायण पोर्ते	स्वच्छक
8	श्री मुकेश ठाकुर	स्वच्छक
9	श्री मिनाज मसीह	चौकीदार
10	श्रीमती उषा क्षत्रीय	स्वच्छक